RAJHIN/2016/70516
Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु
smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-333 | जयपुर, शनिवार, 06 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

रिजर्व बैंक ने इस साल महंगाई बढ़ने का अंदेशा जताया, रेपो रेट स्थिर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा तीन दिनों तक चले आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति बैठक यानी एमपीसी के फैसलों का एलान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौद्रिक नीति समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को पहले के 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण पर बात करते हुए गवर्नर ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था फिलहाल अभूतपूर्व चुनौतियों और अनिश्चितताओं से घिरी हुई है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में आम चुनाव के फैसले पर भारत ने विरोध दर्ज कराया

नई दिल्ली। सरकार ने पाकिस्तान से 7 जून को 'गिलगित-बाल्टिस्तान असेंबली' के लिए 'आम चुनाव' कराने की योजना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय का कहना है चुनाव गैर-कानूनी और ज़बरदस्ती कब्ज़ा किए भारतीय क्षेत्र में कराये जा रहे हैं। भारत ने अपने पुराने रुख को दोहराया है जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का संपूर्ण क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग हैं। 1947 में इनका भारत में कानूनी पूर्ण, विलय हो चुका है। 'गिलगित-बाल्टिस्तान' इसका हिस्सा है।

बीएसएफ सीमा पर हर चुनौती का डटकर कर रही है सामना : शाह

लंकामुड़ा। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा के लंकामुड़ा स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लंकामुड़ा सीमा चौकी (बीओपी) का निरीक्षण किया व सीमा प्रहरियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने अगरतला में पौधरोपण भी किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात और दमन में दी करोड़ों की सौगात

जिन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा, वो आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ा रहे: मोदी

सूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के सूरत में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करते हुए कहा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की आलोचना करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने देश को लंबे समय तक दूसरे देशों पर निर्भर बनाए रखा और आज भी भारत के संकल्पों को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस कांग्रेस 12 सालों से अराजकता और अनिश्चितता फैला रही है। कर्नाटक की जनता भी कांग्रेस की नकारात्मकता के नाराज है। इसलिए कर्नाटक में सीएम बदलना पड़ा। मोदी बोले- दूसरों पर निर्भर रहने वाले देश विकसित नहीं होते है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग

हैं, जिन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा। आज वो आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं।

पीएम ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में ये बातें कही। उन्होंने वहां से 18 हजार करोड़ रूपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया।

बीते सालों में दुनिया ने कई बड़ी महामारियों का सामना किया है। पहले कोरोना और फिर अब दुनिया में तेल, पेट्रोल और गैस की सप्लाई में दिक्कत आ रही है। मुझे गर्व है कि भारत आज 140 करोड़ देशवासियों की मदद से इस चुनौती का सामना कर रहा है।

12 साल पहले देश में सोलर एनर्जी का प्रोर्डक्शन न के बराबर था, लेकिन आज हम दुनिया के टॉप 5 देशों में से एक हैं। हमने इथेनॉल ब्लेंडिंग की। गैस की पाइपलाइन बनाई, ताकि देश में एनर्जी की कोई भी समस्या सामने नहीं आए।

गुजरात निकाय चुनाव में भाजपा की जीत के लिए सभी का अभिवादन। भाजपा की विजय की यात्रा चलती ही जा रही है। दुनिया के लोकतांत्रिक समाज में कम ही देखने को मिलता है कि किसी पार्टी को इतने समय तक जनता का समर्थन मिलता है।

हमारी सरकार देश के विकास के लिए काम कर रही है। इसलिए देश की जनता भाजपा को बार-बार वोट दे रही है। पिछले दिनों जब मैं 5 देशों की यात्रा पर था, वहा भी हर कोई बंगाल-बंगाल कर रहा था।

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की राह पर भारत'

सूरत में कार्यक्रम पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री दमन के लिए रवाना हो गए हैं, जहां उन्होंने 3000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने जीडीपी ग्रोथ रेट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दमन दौरे पर देश की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर खुशी का इजहार किया। उन्होंने कहा, दिल्ली से रवाना होने के बाद अब से कुछ ही देर पहले जीडीपी ग्रोथ रेट के आंकड़े सामने आए हैं। मोदी ने कहा, 'मैं देश को फिर आश्वस्त करता हूं कि देश दुनियाभर में चल रहे संकटों का सामना करते हुए, रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के रास्ते पर ऐसे ही दृढ़ संकल्प के साथ तेज गति से आगे बढ़ता ही रहेगा। ये मेरी देशवासियों को गारंटी है।'

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने नई पार्टी बनाई

कहा- आज से हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे

अगला चुनाव लड़ने का ऐलान किया

चेन्नई

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं।

अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे।

अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2% से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

भाजपा छोड़ने के अपने फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन्होंने पूरी गरिमा और सम्मान के साथ लिया है ताकि तमिलनाडु में एक नई तरह की राजनीति की शुरुआत की जा सके। अन्नामलाई ने बताया कि उन्होंने 4 दिसंबर 2025 को ही पार्टी नेतृत्व को अपने इस्तीफे की इच्छा से अवगत करा दिया था, लेकिन उनसे चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक इंतजार करने को कहा गया।

तिरुपति लड्डू विवाद: 7 राज्यों में ईडी की रेड, मनी लॉन्ड्रिंग के शक में जांच तेज

बीकानेर में बिजनेसमैन के घर-दफ्तर को खंगाला

सात राज्यों में एक साथ बड़ी कार्रवाई

बीकानेर

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के प्रसाद में मिलावट मामला अब मनी लॉन्ड्रिंग जांच में बदल गया है। ईडी ने देशभर में 15 ठिकानों पर एक साथ की गई छापेमारी में जांच बीकानेर तक पहुंच गई है। कारोबारी आशीष अग्रवाल के घर और दफ्तर पर भी जांच एजेंसी ने दस्तावेज खंगाले। शुरुआती जांच में सभी ठिकानों से करोड़ों रुपए के इंवेस्ट

और फर्जी लेनदेन के इनपुट मिले हैं। पूरे नेटवर्क की परतें खुलने की आशंका गहराती जा रही है।

सूत्रों के अनुसार ईडी ने बीकानेर शहर की कोयला गली स्थित घी कारोबारी आशीष अग्रवाल के घर-दफ्तर पर छापेमारी कर दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की गहन जांच की। टीम ने कई घंटों तक रिकॉर्ड खंगाले और कारोबारी गतिविधियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं।

ईडी की यह कार्रवाई सिर्फ बीकानेर तक सीमित नहीं रही, बल्कि अहिल्यानगर, देहरादून, दिल्ली, डिंडीगुल, गुंटूर, मुंबई और रुड़की सहित कई शहरों में एक साथ की गई। जांच एजेंसी ने कुल 15 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाकर पूरे नेटवर्क से जुड़े वित्तीय लेनदेन और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की।

जांच के दौरान ईडी को करीब 60 लाख रुपए की नकदी मिली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने कथित अपराध से अर्जित धन को विभिन्न माध्यमों से निवेश कर 45 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां और निवेश खड़े किए हैं।

एकतरफा प्यार में लड़की को कुल्हाड़ी से काटा

लड़की के गले में फंदा डालकर छत से लटकाया

शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में शुक्रवार को एक युवक ने घर में घुसकर 17 साल की लड़की पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले के बाद उसने लड़की के गले में रस्सी का फंदा बांधकर छत से लटका दिया। कुछ देर बाद उसे करीब 12 फीट ऊंचाई से नीचे पटक दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

खोड़ चौकी पुलिस के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल नाबालिग को पहले शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी

गंभीर हालत को देखते हुए ग्वालियर रेफर कर दिया गया। हमले में उसके सिर, गर्दन और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिन पर 60 से अधिक टांके लगे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह नाबालिग के माता-पिता किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। उस समय वह घर में अकेली थी। इसी दौरान धर्मेंद्र परिहार कुल्हाड़ी लेकर उसके घर पहुंचा। आरोप है कि घर में घुसते ही उसने नाबालिग पर हमला कर दिया।

अचानक हुए हमले से बचने के लिए नाबालिग घर की छत पर चढ़ गई, लेकिन आरोपी उसका पीछा करते हुए वहां भी पहुंच गया। उसने नाबालिग के गले में रस्सी का फंदा बांधा और उसे छत से लटका दिया। परिजनों के मुताबिक, कुछ देर तक नाबालिग को फंदे से लटकाए रखने के बाद आरोपी ने उसे नीचे पटक दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। गंभीर रूप से घायल नाबालिग को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों के अनुसार, उसके सिर और गर्दन पर गंभीर घाव आए हैं। हालत गंभीर होने के कारण उसे शिवपुरी मेडिकल कॉलेज से ग्वालियर रेफर किया गया। सिर और गर्दन में 60 से अधिक टांके लगाए गए हैं।

मोहाली में युवती की चाकू मारकर हत्या

एक्स बॉयफ्रेंड ने 35 सेकेंड में 30 वार किए

मोहाली। *मोहाली में युवक ने चाकुओं से गोदकर युवती (30) की हत्या कर दी। वह गुपचुप ऑफिस में घुसा और काम में बिजी युवती पर पीछे से हमला कर दिया। युवती जान बचाने दौड़ती रही और युवक उसका पीछा कर चाकू मारता रहा। उसने 35 सेकेंड में युवती पर 30 बार चाकू से वार किया। ऑफिस स्टाफ ने बचाने की कोशिश की लेकिन आरोपी उन्हें भी चाकू दिखाकर डराता रहा। जब उसे लगा कि अब युवती जिंदा नहीं बचेगी तो उसने उसी चाकू से अपना भी गला काट लिया।*

जयपुर घूमने आई युगांडा की युवती में मिले इबोला जैसे लक्षण

जयपुर। युगांडा से जयपुर घूमने आई 19 वर्षीय विदेशी युवती में इबोला वायरस से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। उसे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। फिलहाल संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई और जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है।

यह युवती शुक्रवार सुबह एयर अरेबिया की फ्लाइट से शारजाह होते हुए जयपुर हवाई अड्डे पहुंची थी। एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की नियमित मेडिकल स्क्रीनिंग के दौरान चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की टीम ने उसे संदिग्ध श्रेणी में रखा। युवती की ट्रैवल हिस्ट्री युगांडा से जुड़ी होने व स्वास्थ्य संबंधी लक्षण मिलने पर उसे तत्काल विशेष प्रोटोकॉल के तहत आरयूएचएस अस्पताल भेजा।

प्रारंभिक जांच में इबोला संक्रमण जैसे कुछ लक्षण मिले हैं, लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इसे इबोला नहीं माना जा सकता।

मणिपुर में हथियारबंद बदमाशों का हमला, तीन लोगों की हत्या

कांगपोकपी

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार तड़के हुए एक सशस्त्र हमले में तीन नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई घरों और वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और भय का माहौल है। सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में अतिरिक्त जवान तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में लेने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

पुलिस के अनुसार, कांगपोकपी जिले के न्यू केइथेलमानबी अंतर्गत लोइबोल खुल्लेन गांव में शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे भारी हथियारों

से लैस बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। हमलावर कथित तौर पर गांव में घुस गए और सो रहे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। इस हमले में तीन ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया बंदूकधारियों के हमले के बाद ग्रामीणों ने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है। वहीं, घरों के अलावा एक जिप्सी व एक महिंद्रा बोलेरो पिक-अप वैन को भी आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई और हालात पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इस बीच, कूकी इनपी मणिपुर (केआईएम) तथा कूकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (केएसओ), दक्षिण-पश्चिम सदर हिल्स ब्लॉक ने अलग-अलग बयान जारी कर इस हमले की कड़ी निंदा की है। संगठनों ने आरोप लगाया है कि एनएससीएन-आईएम, जेडयूएफ (के) और जेडयूएफ-कैमसन के भारी हथियारों से लैस कैडरों ने इस हमले को अंजाम दिया।

ट्रम्प बोले- भारत ने दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया

अब हम टैरिफ से खूब कमा रहे, फिर भी डील करेंगे क्योंकि मुझे मोदी पसंद

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार को लेकर कहा कि लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है। ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है, क्योंकि मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका की एक टीम

हाल ही में नई दिल्ली में भारत सरकार के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुकी है। दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्द समाधान किया जा सके।

भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा- जल संरक्षण और संवर्धन के व्यापक स्तर पर हो रहे कार्य

पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर करें प्रकृति का संरक्षण: सीएम

राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में हर नागरिक दे योगदान

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं और राज्य को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में योगदान दें। बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करें ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित आवरण मिले।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को विश्व

पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं जिनके सकारात्मक परिणाम आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत अभियान, मिशन लाइफ, नमामि गंगे, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, पीएम सूर्य घर योजना की पहलों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाया जिससे प्रकृति के प्रति नवचेतना का संचार हुआ है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में राजस्थान अव्वल

उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो में 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें से लगभग 19 करोड़ पौधे लग चुके हैं। वहीं, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए आवंटित लक्ष्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ पर्यावरण एवं हरित विकास की दिशा में कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में चयनित जिलों में 11-11 हजार पौधे लगाकर नमो चंदन वन स्थापित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर नमो नर्सरी, प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर नमो वन, 16 जिलों में मॉडल उद्यान ऑक्सीजोन, 21 जिलों में गोबरधन-परियोजना के तहत बायो-गैस संयंत्र, 29 अमृत शहरों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ ही, जयपुर में वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान हेतु अर्ली वॉर्निंग सिस्टम स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कैच द रेन अभियान से प्रेरणा लेकर हमने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान शुरू किया, जिसके माध्यम से प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि में जल संरक्षण कार्यों से जुड़ रहे हैं।

पुतिन ने भारत को सुखोई-57 ऑफर किया

5वीं जनरेशन फाइटर जेट की तकनीक भी शेयर करेंगे

सेंट पीटर्सबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को सुखोई SU-57 स्टेल्थ फाइटर जेट को लेकर बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस, भारत के साथ मिलकर इस विमान का विकास और उत्पादन करने के लिए तैयार है। साथ ही रूस जरूरी रक्षा तकनीकें साझा करने के लिए भी तैयार है। पुतिन ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले भी भारत को इसे बनाने के प्रोजेक्ट में साझेदार बनने

का ऑफर दिया था। उस समय भारत ने कहा था कि रूस पहले इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाए, उसके बाद भारत इसमें शामिल होने पर विचार करेगा।

पुतिन ने कहा- यह विमान हमारा जॉइंट प्रोजेक्ट हो सकता था। हमने इसे अपने दम पर विकसित किया, लेकिन अब भी हम भारत के साथ इस क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार हैं।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी।

पाँच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ह्प्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्न (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्त्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया?

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण न केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्निकांडों से सीखः यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

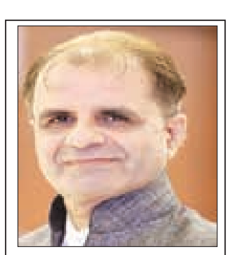

किशन सनमुखदास भावनानी

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं,यह उस पूरे प्रशासनिक, नियामक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता,नियमित निरीक्षण,शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति,संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी,तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक५आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है।

साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं।

साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

पिवणिया व क्षीरसागर की जल आवक में मिला मेडिकल वेस्ट का जखीरा

चिकित्सा विभाग ने दिखाई सख्ती, पुलिस थाने में दर्ज कराया मामला, शाहपुरा के निजी अस्पतालों व मेडिकल स्टोर संचालकों में मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शहर में आसींद रोड़ पर विद्युत ग्रिड के समीप पिवणिया तालाब (क्षीरसागर) में बारिश के पानी की आवक के रास्ते पर मेडिकल वेस्ट मिलने के मामले में चिकित्सा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को शाहपुरा थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। विभाग की इस कार्रवाई से निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप मच गया है।

इस संवाददाता द्वारा प्रकरण के संज्ञान में लाने के बाद ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेनाराम कुमावत विभागीय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा के कर्मचारियों को भी मौके पर बुलाकर मेडिकल वेस्ट की बारीकी से जांच करवाई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बरामद बायो-मेडिकल वेस्ट किसी सरकारी चिकित्सा संस्थान का नहीं है। अधिकारियों के अनुसार यह किसी निजी चिकित्सा संस्थान अथवा मेडिकल स्टोर से संबंधित हो सकता है।

डॉ. कुमावत ने बताया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस थाना शाहपुरा में रिपोर्ट देकर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट में बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियम-2016, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम-1986 तथा अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि मेडिकल वेस्ट पर अंकित बैच नंबर और कोड नंबर के आधार पर इसके स्रोत का पता लगाया जा सकता है।

इससे पहले जिला चिकित्सालय के पीएमओ डॉ. अशोक जैन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच समिति गठित की थी। समिति में फार्मासिस्ट प्रकाश शर्मा, डीडीसी सहायक संपत तेली तथा आयन को शामिल किया गया। समिति ने आसींद रोड बाइपास स्थित विद्युत ग्रिड के पास करीब 200 मीटर दूरी पर पड़े मेडिकल वेस्ट का निरीक्षण कर विस्तृत जांच की।

जांच रिपोर्ट में भी स्पष्ट किया गया कि बरामद मेडिकल वेस्ट किसी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान का नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार मौके पर मिली सामग्री में विभिन्न ब्रांडेड कंपनियों के उत्पाद शामिल थे, जिससे यह संभावना व्यक्त की गई कि यह वेस्ट किसी निजी मेडिकल स्टोर या निजी चिकित्सा संस्थान से संबंधित हो सकता है।

पीएमओ डॉ. अशोक जैन ने बताया कि जांच की तथ्यात्मक रिपोर्ट अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रकाशचंद रेगर एवं उपखंड अधिकारी शाहपुरा सुनील मीणा को भेज दी गई है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को जीव दया सेवा समिति शाहपुरा ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया था। समिति के संयोजक अत्तू खां कायमखानी ने चिकित्सा मंत्री के मार्फत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से वार्ता कर मामले में कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि बरसात के मौसम को देखते हुए पानी की आवक के सभी प्राकृतिक मार्गों की जांच कराई जानी चाहिए तथा जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। विभागीय कार्रवाई के बाद अब मेडिकल वेस्ट फेंकने वालों की पहचान और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

रायलाः ईरास चौराहे से तहसील मार्ग पर जलभराव, आमजन त्रस्त

स्मार्ट हलचल | रायला

कस्बे में ईरास चौराहे से तहसील तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर अव्यवस्थित भराव के कारण जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। आरोप है कि कुछ दुकानदारों ने निजी स्वार्थ के चलते सड़क किनारे अनावश्यक मिट्टी-भराव कर दिया, जिससे बरसाती और गंदा पानी सड़क पर ही जमा हो रहा है।

इस कारण पूरे मार्ग पर कीचड़ और गंदगी फैल गई है, जिससे खासकर बाइक चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह फिसलन बढ़ने से दोपहिया वाहन चालकों के गिरने का खतरा बना हुआ है।

वहीं चौपहिया वाहन गुजरने पर गंदा पानी उछलकर पैदल राहगीरों और बाइक चालकों पर गिरता है, जिससे आए दिन बहस और विवाद की स्थिति बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से समस्या बनी हुई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध भराव हटाकर उचित जल निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि दुर्घटनाओं और बीमारियों के खतरे से राहत मिल सके।

निशुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 73 रोगियों को परामर्श

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद शिविर आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया जिसमें 8 गांवों के73 नेत्र रोगियो को परामर्श दिया इन रोगियों के कल ऑपरेशन किए जाएंगे शिविर रतनलाल सीता देवी की स्मृति में सत्येंद्र स्नेहलता तोतला की ओर से आयोजित किया गया

समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा फेको सर्जन द्वारा नेत्र रोगियों की निशुल्क जांच कर उन सभी जरूरतमंद रोगियों के स्पर्श हॉस्पिटल में ऑपरेशन किए जाएंगे,शिविर में रोगियों को निशुल्क ऑपरेशन के बाद दवाइयां,काले चश्मे व आवास, भोजन की सुविधा दी गई।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी,सुभाष गर्ग,रामनारायण सोमानी, जय किशन मित्तल, गणपत जागेटीया,अरुण जागेटीया, छीतरमल डाड, शान्ता सोमानी,घनश्याम डाड,लादू लाल माली ने सेवाए दी।

समाज से बाहर करने और रुपयों की मांग का आरोपः पीड़िता के पिता ने एसपी से लगाई गुहार, करेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज करने की मांग

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा (करेड़ा)। समाज के पंचों द्वारा हुक्का-पानी बंद करने, सामाजिक बहिष्कार करने और आर्थिक दंड के रूप में मोटी रकम वसूलने व पुनः समाज में लेने के नाम पर और रुपयों की मांग करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। इसे लेकर शिव उर्फ सुवालाल पुत्र रूपा जी अजमेरा, निवासी शिवपुरा का खेड़ा, तहसील करेड़ा ने भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक को परिवाद सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है और आरोपियों के खिलाफ करेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

एसपी को सौंपे गए परिवाद के अनुसार, प्रार्थी शिव उर्फ सुवालाल ने बताया कि दिनांक 19 सितंबर 2024 को क्षत्रिय कुमावत समाज कमेटी, चौखला बागोलिया द्वारा उन्हें एक सूचना नोटिस भेजकर उपस्थित होने के लिए कहा गया था। जब प्रार्थी अपने परिवार सहित वहां पहुंचा, तो वहां प्रार्थी की पुत्री के ससुराल पक्ष के लोग, समाज के पंच और अन्य अभियुक्तगण उपस्थित थे। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने प्रार्थी से कहा कि उसकी लड़की की शादी अंबा लाल कुमावत के साथ हुई है, जिसका फैसला किया जाए। इस पर प्रार्थी ने कहा कि उसकी पुत्री के एक लड़की उम्र मात्र 4 वर्ष है, ऐसे में उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? प्रार्थी का आरोप है कि इस बात पर अभियुक्तगणों ने धमकी दी कि यदि उसने फैसला नहीं किया, तो उसका समाज से हुक्का-पानी बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद समाज में रहने की एवज में प्रार्थी पर 1,50,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया, जिसे प्रार्थी से वसूल भी लिया गया और कहा गया कि अब वह समाज में आ सकता है।

परिवाद में आगे बताया गया कि कुछ दिन पूर्व गांव गोपालपुरा में मदन लाल कुमावत के यहां एक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित हुआ था। वहां प्रार्थी को फिर से अभियुक्तगण मिले और कहा कि 'तू अगर तेरी बच्ची का फैसला नहीं करता है, तो तेरे को समाज से बाहर कर रहे हैं।' इस पर प्रार्थी ने पूर्व में दिए गए 1,50,000 रुपये का हवाला दिया, तो आरोपियों ने कहा कि 'वे पैसे तो हम खा गए, आज से ही तू जाति समाज से बाहर है।' आरोपियों ने प्रार्थी को डराते-धमकाते हुए कहा कि यदि उसे वापस समाज में आना है, तो 2,50,000 रुपये और जमा कराने होंगे। प्रार्थी का आरोप है कि इस सामाजिक कार्यक्रम में उसके परिवार को खाना तक नहीं खाने दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम और सामाजिक बहिष्कार के कारण प्रार्थी और उसका परिवार गंभीर मानसिक प्रताड़ना झेल रहा है। प्रार्थी ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपी उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर कर रहे हैं। पीड़ित पिता ने एसपी से सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

राजेश सैन बने बालाजी गोवंश हेल्पलाइन के राजस्थान प्रांत प्रमुख

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

गौसेवा और गौवंश संरक्षण के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले राजेश सैन को बालाजी गोवंश हेल्पलाइन ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। संगठन के अध्यक्ष खुशराज वैष्णव ने उन्हें राजस्थान प्रांत प्रमुख पद पर नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति बालाजी गोवंश हेल्पलाइन के कोषाध्यक्ष भागचंद माली एवं मैनेजमेंट प्रभारी ओमप्रकाश साहू की अनुशंसा पर की गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि राजेश सैन लंबे समय से गौसेवा के विभिन्न कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं और उन्होंने संगठन के विस्तार तथा सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राजेश सैन ने घायल एवं असहाय गौवंश की सहायता, गौवंश संरक्षण अभियानों, जनजागरूकता कार्यक्रमों तथा संगठनात्मक गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनकी कार्यशैली, समर्पण और सेवा भावना को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है।

बालाजी गोवंश हेल्पलाइन के अध्यक्ष खुशराज वैष्णव ने कहा कि संगठन को विश्वास है कि राजेश सैन के नेतृत्व में राजस्थान भर में गौसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी तथा अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जोड़ा जा सकेगा।

नियुक्ति के बाद राजेश सैन ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और पूरे राजस्थान में गौवंश संरक्षण एवं गौसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। इस नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं गौभक्तों ने हर्ष व्यक्त करते हुए राजेश सैन को शुभकामनाएं दी हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरियाली पर वारः मंगरोप में धड़ल्ले से कट रहे पुराने पेड़, लकड़ियों से भरे ट्रक खुलेआम गुजर रहे

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। एक ओर पूरा प्रदेश विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण का संदेश दे रहा है,वहीं दूसरी ओर मंगरोप क्षेत्र में प्रकृति के दुश्मन बने वृक्ष माफिया खुलेआम हरियाली का सफाया करने में जुटे हुए हैं।क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पुराने,छायादार और पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण पेड़ों की कटाई किए जाने का मामला सामने आया है।सबसे चिंताजनक बात यह है कि कटे हुए पेड़ों की लकड़ियों से भरे ट्रक गांव के मुख्य मार्गों और बस स्टैंड से होकर गुजर रहे हैं,लेकिन जिम्मेदार विभाग और प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही।ग्रामीणों के अनुसार मंगरोप क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर वर्षों पुराने बबूल सहित अन्य छायादार वृक्षों को लगातार काटा जा रहा है।हाल ही में कई स्थानों पर बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ों को धराशायी कर दिया गया।कटाई के बाद लकड़ियों को ट्रकों में भरकर खुलेआम परिवहन किया जा रहा है।इसके बावजूद वन विभाग और प्रशासन की ओर से कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

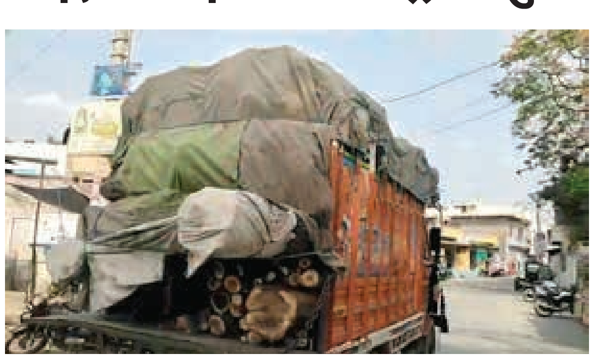

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन पेड़ों को काटा जा रहा है वे केवल हरियाली का हिस्सा नहीं हैं,बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने,तापमान नियंत्रित रखने,भूमि संरक्षण और पक्षियों के आश्रय स्थल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में पुराने वृक्षों का समाप्त होना क्षेत्र के पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वृक्ष माफिया बेखौफ होकर अवैध कटाई कर रहे हैं और उन्हें किसी प्रकार का भय नहीं है।कटाई और परिवहन की गतिविधियां सार्वजनिक रूप से होने के बावजूद संबंधित विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।पर्यावरण प्रेमी सत्यनारायण व्यास का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले वर्षों में क्षेत्र की हरियाली पूरी तरह प्रभावित हो सकती है।

पर्यावरण संरक्षण के दावों पर उठे सवाल

सरकार और प्रशासन एक ओर विभिन्न अभियानों के माध्यम से पौधारोपण, जल संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मंगरोप क्षेत्र में हो रही बड़े पैमाने की वृक्ष कटाई इन प्रयासों की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जब प्रकृति संरक्षण की बातें की जा रही हैं,उसी समय पेड़ों का लगातार कटना चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है।

जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने,अवैध कटाई में शामिल लोगों की पहचान करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।लोगों का कहना है कि यदि अभी कठोर कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ सकता है और आने वाली पीढ़ियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। 'एक तरफ पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाने और पेड़ बचाने के संदेश दिए जा रहे हैं,दूसरी तरफ मंगरोप क्षेत्र में हरे-भरे वृक्षों की कटाई जारी है।यदि प्रशासन ने समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया तो हरियाली बचाने के सारे प्रयास केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे।

ऑपरेशन मदाशिवनः इंसानियत को जहर बांटने वाला गौशाला में धो रहा था पाप, 25,000 का इनामी तस्कर पंजाब से गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | जयपुर

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मदाशिवन' के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब के फिरोजपुर जिले से एक वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। लगातार पांचवें दिन की इस कार्रवाई ने यह संदेश दिया है कि राजस्थान पुलिस की पहुंच अब राज्य की सीमाओं से बाहर तक अपराधियों का पीछा कर रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री दिनेश एम.एन. के निर्देशन एवं महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ श्री विकास कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ की टीमें झारखंड, मध्यप्रदेश और पंजाब तक सक्रिय होकर नशे के नेटवर्क पर लगातार प्रहार कर रही हैं।

गौशाला में छिपा बैठा था इनामी तस्कर

गिरफ्तार आरोपी सुनील कुमार पुत्र नक्षत्र सिंह निवासी 10 सरकारी, तहसील विजयनगर थाना जैतसर जिला श्रीगंगानगर पिछले एक वर्ष से फरार चल रहा था। उसके विरुद्ध मादक पदार्थ तस्करी सहित कई मामलों में कार्रवाई लंबित थी तथा उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

गिरफ्तारी से बचने के लिए सुनील ने पंजाब के फिरोजपुर में एक गौशाला में शरण ले रखी थी, जहां वह गायों की सेवा करने के साथ अपना छिपाव बनाए हुए था। आरोपी मोबाइल फोन का उपयोग भी नहीं करता था और अपनी कमाई ई-मित्र के माध्यम से घर भेजता था ताकि उसकी लोकेशन ट्रेस न हो सके।

एक पुराने ट्रेन टिकट ने खोल दिया राज

तस्कर सुनील तक पहुंचना एएनटीएफ के लिए आसान नहीं था। टीम जब उसके श्रीगंगानगर स्थित घर पर दबिश देने गई तो वह वहां नहीं मिला। लेकिन घर की गहन तलाशी के दौरान पुलिस के हाथ फिरोजपुर की एक पुरानी ट्रेन टिकट लग गई। चूंकि फिरोजपुर में सुनील का कोई रिश्तेदार नहीं था, इसलिए टीम का शक गहरा गया। एएनटीएफ की टीम तुरंत ट्रेन टिकट के सुराग पर फिरोजपुर पहुंची और स्थानीय लोगों को फोटो दिखाकर हुलिए के आधार पर तस्कर को एक स्कूल के पास बनी गौशाला में ट्रैक कर लिया।

लगातार पूछताछ और फोटो पहचान के बाद पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी एक गौशाला में रह रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही टीम ने वहां घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देखते ही सुनील गौशाला से भाग निकला और पास स्थित स्कूल की दीवार फांदकर छिपने का प्रयास करने लगा। एएनटीएफ टीम ने उसका लगातार पीछा किया और करीब आधे घंटे तक चले चूहे-बिल्ली के खेल के बाद उसे दबोच लिया।

चोरी और जमीनों की ठगी से शुरू हुआ अपराध का सफर

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने आठवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। नशे की लत के कारण उसने पहले चोरी और जमीनों की फर्जी खरीद-फरोख्त का धंधा शुरू किया। वर्ष 2021 से 2025 के बीच उसके खिलाफ घड़साना, विजयनगर, छत्तरगढ़ और जैतसर (श्रीगंगानगर) में चोरी, धोखाधड़ी और एनडीपीएस एक्ट सहित कई मामले दर्ज हुए।

टोल वसूली फुल, सड़क हुई धूल! एनएच-148डी पर 'मौत के स्पीड ब्रेकर' बने आफत

जहाजपुर क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर जर्जर अवरोधक और गहरे गड्ढे दे रहे हादसों को न्योता; डामर उखड़ने से अनियंत्रित हो रहे तेज रफ्तार वाहन

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। एक तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल नाका लगाकर वाहन चालकों से धड़ल्ले से मोटी टोल राशि वसूली जा रही है, तो दूसरी तरफ उसी हाईवे पर सुरक्षा के नाम पर बनाए गए स्पीड ब्रेकर अब वाहन चालकों की जान पर भारी पड़ रहे हैं। हम बात कर रहे हैं जहाजपुर क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-148डी की, जहाँ नेशनल हाईवे अथॉरिटी और संबंधित टोल कंपनी की घोर लापरवाही के चलते स्पीड ब्रेकर अब सुरक्षा देने के बजाय आए दिन होने वाले भीषण हादसों का मुख्य कारण बनते जा रहे हैं।

जहाजपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस नेशनल हाईवे की तस्वीरें बेहद डरावनी और चौंकाने वाली हैं। हाईवे पर वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए बनाए गए स्पीड ब्रेकर पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। इन अवरोधकों के ऊपर से डामर पूरी तरह उखड़ चुका है, जिसके कारण वहाँ बड़े-बड़े और गहरे गड्ढे बन गए हैं। हाईवे पर सरपट दौड़ने वाले तेज रफ्तार वाहन जैसे ही इन जर्जर और अदृश्य हो चुके अवरोधकों के पास पहुँचते हैं, वैसे ही चालक का संतुलन बिगड़ जाता है और वाहन अचानक अनियंत्रित होकर हवा में उछल जाते हैं।

दोपहिया वाहन चालक भुगत रहे भुगतभोगी, रोजाना गिर रहे लोगः

हाईवे की इस बदहाली और टोल कंपनी की मनमानी का सबसे ज्यादा खामियाजा दोपहिया वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। रात के अंधेरे में या तेज धूप के दौरान ये जर्जर स्पीड ब्रेकर और गड्ढे चालकों को दूर से दिखाई नहीं देते, जिससे आए दिन मोटरसाइकिल और स्कूटर सवार इन पर फिसल कर सड़क पर गिर रहे हैं और गंभीर रूप से चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रोजाना यहाँ छोटे-मोटे हादसे होना आम बात हो गई है, इसके बावजूद जिम्मेदार राष्ट्रीय राजमार्ग एजेंसियां और टोल प्रबंधन गहरी नींद में सोया हुआ है।

भगवान भरोसे सुरक्षा व्यवस्था, बड़े हादसे का इंतजार!

क्षेत्रवासियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि टोल नाके पर वाहन चालकों से एक-एक पाई का टोल टैक्स कड़ाई से वसूला जाता है, लेकिन जब बात सड़क की मरम्मत, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था की आती है, तो स्थिति पूरी तरह भगवान भरोसे नजर आती है। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर जिम्मेदार सार्वजनिक निर्माण विभाग, एनएचएआई और टोल कंपनी की नींद कब खुलेगी? क्या प्रशासन किसी बड़े और जानलेवा हादसे का इंतजार कर रहा है या फिर समय रहते इन 'मौत के स्पीड ब्रेकरों' को दुरुस्त कर जनता को राहत प्रदान की जाएगी?

मांडलगढ़ उपखंड मुख्यालय पर भी रोडवेज बसे निकल रही बाईपास

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। मांडलगढ़ उपखंड मुख्यालय होने के बाद भी रोडवेज बसों के चालक, परिचालक अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्य मार्ग के बजाय बाईपास से ही बस को संचालित कर रहे हैं। न इस बारे में जिला अधिकारियों को भी कई बार अवगत करवाया गया लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा है। भीलवाड़ा - कोटा मार्ग पर चलने वाली कई रोडवेज बसों के चालक, परिचालक होड़ा से सीधे बाईपास होते हुए लाडपुरा के लिए निकल जाते हैं। वहीं कोई यात्री बस में मांडलगढ़ उतरना चाहे तो उनको दो किलोमीटर दूर सर्किट हाउस के यहां उतार देते हैं। जिससे यात्रियों को निश्चित स्थान पर पहुंचने में भी परेशानी हो रही है। उपखंड मुख्यालय के बस स्टैंड, स्टेच्यू सर्किल पर बस का इंतजार कर रहे है यात्रियों को समय पर साधन नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय व जिला प्रशासन चालक परीचालकों की मनमानी को रोकने की उदासीनता का खामयाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। रोडवेज बसों के चालकों, परिचालकों की यात्रियों को मार्ग से बिठाने, उतारने की मनमानी के कारण यात्रीभार भी प्रभावित होने से राजस्थान परिवहन निगम को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बेनीवाल की सुरक्षा घटाने पर भड़की रालोपाः भजनलाल सरकार के खिलाफ हल्ला बोल, लगाए सरकार विरोधी नारे, 15 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) जिला इकाई भीलवाड़ा के बैनर तले शुक्रवार को कार्यकर्ताओं ने नागौर सांसद एवं रालोपा सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल की सुरक्षा में कटौती किए जाने के विरोध में जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर को राज्यपाल के नाम 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए सांसद बेनीवाल को पुनः जेड प्लस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की।

इस दौरान रालोपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा तख्तियां लहराकर अपना विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन में भीलवाड़ा जिले में बजरी माफियाओं के बढ़ते आतंक, अवैध खनन और इससे हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए जिले में संचालित बजरी खनन लीजों की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई।

रालोपा ने फुलियाकलां की खारी नदी, गंगापुर की चंद्रभागा नदी तथा रायपुर की कोठारी नदी में संचालित बजरी लीजों को निरस्त कर स्थानीय ग्रामीणों को छोटे-छोटे खनन पट्टे आवंटित करने की मांग उठाई। साथ ही जिले में संचालित विभिन्न खदानों और निजी कंपनियों में स्थानीय युवाओं को 80 प्रतिशत रोजगार देने तथा मजदूरों के वेतन में वृद्धि करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता देते हुए रालोपा ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की अंतिम तिथि बढ़ाने, किसानों की उपज का समय पर भुगतान करने तथा पर्याप्त मात्रा में यूरिया और खाद उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा सोपूरा गांव के बजरी विवाद में दर्ज मुकदमे वापस लेने, लापियां गांव में कथित अवैध ब्लास्टिंग पर रोक लगाने, जिले की जर्जर सड़कों और बिजली व्यवस्था में सुधार करने की भी मांग की गई।

ज्ञापन में गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, प्रदेश में कानून व्यवस्था सुधारने, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर नियंत्रण करने, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक मामलों की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत देने की मांग भी शामिल रही। रालोपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनहित और किसानों से जुड़े इन मुद्दों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

108 एम्बुलेंस बीच रास्ते हुई बंद, मासूम की जान पर बना संकट

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। उपजिला चिकित्सालय की 108 एम्बुलेंस सेवा की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित एक बच्चे को चिकित्सकों द्वारा भीलवाड़ा रेफर किया गया था, लेकिन मरीज को लेकर जा रही 108 एम्बुलेंस शाहपुरा रोड पर नगर पालिका के समीप ही अचानक खराब होकर बंद हो गई। इससे मरीज और उसके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा तथा बच्चे की जान भी जोखिम में पड़ गई।

जानकारी के अनुसार गंभीर हालत में बच्चे को बेहतर उपचार के लिए भीलवाड़ा रेफर किया गया था। परिजन उम्मीद कर रहे थे कि 108 एम्बुलेंस सेवा समय पर मरीज को अस्पताल पहुंचा देगी, लेकिन बीच रास्ते में एम्बुलेंस के खराब हो जाने से स्थिति चिंताजनक बन गई। बाद में वैकल्पिक व्यवस्था कर मरीज को आगे उपचार के लिए भेजा गया।

घटना के बाद चिकित्सालय प्रशासन भी हरकत में आया। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिलीप मीणा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि मरीजों की जान से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर 108 एम्बुलेंस चालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा तथा लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने भी एम्बुलेंस सेवाओं के नियमित रखरखाव और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

गौरतलब है कि नगर के लोगों ने कल ही उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर चिकित्सालय में डॉक्टर लगाने एवं आमजन को राहत पहुंचाने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नमो उद्यान में हुआ पौधारोपण

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नमो उद्यान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक गोपीचंद मीणा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि एक पौधा केवल हरियाली ही नहीं देता, बल्कि स्वच्छ वायु, जैव विविधता और जीवन का आधार भी बनता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

पौधारोपण कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष महेंद्र खटीक, नगर पालिका आयुक्त रिंकल गुप्ता, उपाध्यक्ष राजीव कंटिया, पूर्व पार्षद राम प्रसाद रैगर, पार्षद राजकुमार माली, पंकज घारू, सत्यनारायण मीणा, दीपक मीणा, नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता ईशान गौतम, प्रखर भारद्वाज, भूदेव आर्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाने का संदेश देते हुए अधिकाधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया।

एससी-एसटी एक्ट के मामले में गिरफ्तारी नहीं होने पर एसपी से लगाई गुहार, बोली- आरोपी दे रहे जान से मारने और गांव छोड़ने की धमकी

एक माह पूर्व दर्ज हुआ था मामला, कार्रवाई नहीं होने से परिवार भय के साये में जीने को मजबूर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के लाल का खेड़ा गांव निवासी एक महिला ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर जिला पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मामला दर्ज होने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और लगातार उसे व उसके परिवार को जान से मारने तथा गांव छोड़ने की धमकियां दे रहे हैं।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे ज्ञापन में बताया कि 1

मई 2026 को कुछ लोग उसकी टपरी में घुस आए और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने अश्लील गालियां दीं तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उसे अपमानित किया। घटना के संबंध में शक्करगढ़ थाने में प्रकरण संख्या 61/2026 दर्ज किया गया, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ एससी-एसटी एक्ट की धाराएं भी शामिल की गई हैं।

महिला का कहना है कि मामला दर्ज हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कार्रवाई के अभाव में आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार परिवार को डराने-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं।

ज्ञापन में पीड़िता ने आरोप लगाया कि हाल ही में आरोपियों ने उसके पति का मोटरसाइकिल से पीछा किया, जिससे परिवार में दहशत का माहौल बना हुआ है। परिवार के सदस्य खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और भय के साये में जीवन यापन करने को मजबूर हैं।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच करवाने, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही शक्करगढ़ थाना पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर प्रभावी कार्रवाई करवाने का आग्रह भी किया है।

पीड़िता का कहना है कि यदि समय रहते आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो उसके परिवार की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

पेड़ लगाकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लें : जिला एवं सेशन न्यायाधीश जैन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला कारागृह परिसर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अभय जैन ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि घरों और सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलन बना रहेगा, शहर हरा-भरा होगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जेएसजी संगिनी ग्रुप एवं जिंदल सॉ लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम कर कपड़े के थैलों को अपनाने की अपील की। उनके द्वारा पर्यावरण जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो आमजन में जागरूकता फैलाने के साथ निःशुल्क कपड़े के थैले वितरित करेगा।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्य, बार एसोसिएशन अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रतिभा देवठिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन सहित अन्य अतिथियों ने पौधारोपण किया। इस दौरान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए तथा आमजन को कपड़े के थैले वितरित किए गए।

कारागृह की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कार्यक्रम के बाद जिला न्यायाधीश जैन ने बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों के साथ जिला कारागृह का त्रैमासिक निरीक्षण भी किया। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कारागृह में किसी प्रकार के भेदभाव की स्थिति की जानकारी लेते हुए जेल प्रशासन को आवश्यक सुधार एवं रखरखाव संबंधी दिशा-निर्देश भी दिए।

नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से राहगीरों को परेशानी

मण्डफिया। कस्बे के पुराने मंदिर मार्ग में सांवलियाजी मंदिर के पीछे स्थित सदर बाजार में नालियों के गंदे पानी की समस्या से स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने नाराजगी जताते बताया कि इस होटल वाले क्षेत्र में नाली व्यवस्था बाधित होने के कारण आए दिन गंदा एवं बदबूदार पानी सड़क पर बह रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कई जगह पर नाली के अंदर पाइप डाले जाने एवं कचरा इकट्ठा होने से नालिया जाम होकर पानी बाहर आ जाता है। कई जगह नालियों को ढक देने के कारण सफाई नहीं हो पाती और पानी का प्रवाह रुक जाता है। नाली का पानी सड़क पर फैलने से आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। लोगों का कहना है कि इस संबंध में मंदिर मंडल एवं ग्राम पंचायत को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई खास कार्रवाई नहीं की गई। सड़क पर बह रहे गंदे पानी के कारण राहगीरों, दुकानदारों और आसपास के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री सांवलियाजी मंदिर दर्शन करने जाते हैं। सड़क पर फैले गंदे पानी और कीचड़ के कारण उनके वस्त्र और पैर गंदे हो जाते हैं।

विशेष रात्रि जागरण एवं विशाल भजन संध्या 9 जून को

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान, जोगणियां माताजी द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय शिवशक्ति महायज्ञ एवं स्वर्ण कलश प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव (पाटोत्सव) के अंतर्गत 9 जून 2026, मंगलवार को रात्रि 8:30 बजे विशेष रात्रि जागरण एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय भजन गायक श्री गोकुल जी शर्मा (डोराई) एवं उनके सहयोगी कलाकार मातरानी के दरबार में मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देंगे। भजन संध्या में माता रानी की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर किया जाएगा।

श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि इस पावन अवसर पर क्षेत्र के विशेष संत महात्माजन,दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुजन, गणमान्य नागरिक, विद्वानजन, जनप्रतिनिधियो, की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। संस्थान ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन युवा इकाई द्वारा प्रताप नगर थाना परिसर में किया वृक्षारोपण

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन युवा इकाई, जिला भीलवाड़ा द्वारा प्रताप नगर थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश देते हुए विभिन्न छायादार एवं फलदार प्रजातियों के 21 पौधे लगाए गए।

युवा जिलाध्यक्ष अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम प्रताप नगर थानाधिकारी सुनील ताड़ा एवं थाना स्टाफ की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर थाना परिसर में अर्जुन, सेमल, कचनार, आम, बम्बू एवं जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही सभी उपस्थित जनों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थानाधिकारी सुनील ताड़ा ने कहा कि 'वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा किए जा रहे इस जनहितकारी प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। महिला संभागीय अध्यक्ष मधु जाजू ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एक सामाजिक दायित्व है, जिसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है।' कार्यक्रम में फेडरेशन के प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, महिला प्रदेश महामंत्री आरती कोगटा, महिला संभागीय अध्यक्ष मधु जाजू, कार्यकारी जिलाध्यक्ष ओ.पी. हिंगड़, जिला महामंत्री ललित अग्रवाल, महिला जिलाध्यक्ष लीला राठी, ऊषा अग्रवाल, जतन हिंगड़, युवा जिलाध्यक्ष अंकित सोमानी, जिला महामंत्री राकेश सिंघवी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हर्ष राठी, विजय विजयवर्गीय, आशीष जैन, मनीष सेठी, कोषाध्यक्ष त्रिदेव मूंदड़ा, जिला मंत्री अंशुल शाह, मितेश सोडाणी, संगठन मंत्री विकास चौधरी, मनीष विजयवर्गीय, मीडिया प्रभारी हरीश हिंदुस्तानी जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

मांडलगढ़ की बेटी रिंकू शर्मा का 14वीं रैंक के साथ बनीं असिस्टेंट प्रोफेसर

स्मार्ट हलचल

आकोला। अंचल के छोटे से गाँव होड़ा की लाडली रिंकू शर्मा ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (असिस्टेंट प्रोफेसर) परीक्षा के 'आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध' विषय में पूरे प्रदेश में 14वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

शिक्षाविद सिद्धार्थ देसाई ने बताया कि रिंकू की इस अभूतपूर्व सफलता से पूरे मांडलगढ़ अंचल और शिक्षा जगत में हर्ष की लहर दौड़ गई है। रिंकू शर्मा एक बेहद साधारण कृषक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बीच पली-बढ़ी रिंकू के लिए यह सफर आसान नहीं था। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य है, लेकिन रिंकू के हौसले और कुछ कर गुजरने के जुनून के आगे तमाम विपरीत परिस्थितियाँ भी बौनी साबित हुईं। उन्होंने आर्थिक तंगहाली, सुख-सुविधाओं के अभाव और ग्रामीण पृष्ठभूमि की चुनौतियों से डटकर मुकाबला किया। रिंकू ने साबित कर दिया कि यदि मन में दृढ़ संकल्प, अटूट मेहनत और सही दिशा में प्रयास हो, तो गरीबी और विपरीत परिस्थितियाँ कभी भी सफलता के मार्ग में रोड़ा नहीं बन सकतीं। रिंकू ने अपनी पढ़ाई के लिए मुख्य मार्गदर्शन राजकीय महाविद्यालय बनेड़ा के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ देसाई से प्राप्त किया। साथ ही रिंकू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता लाली देवी - विष्णु शर्मा के आशीर्वाद और अपनी निरंतर पढ़ाई को दिया। उन्होंने बिना विचलित हुए प्रतिदिन कई घंटों तक कड़ा अभ्यास और अकादमिक शोध कार्य जारी रखा, जिसका सुखद परिणाम आज संपूर्ण राजस्थान के सामने 14वीं रैंक के रूप में आया है। रिंकू शर्मा के इस सर्वोच्च पद पर अंतिम चयन की सूचना मिलते ही होड़ा ग्राम सहित पूरे मांडलगढ़ क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रिंकू की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी ग्रामवासियों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। रिंकू का यह चयन ग्रामीण क्षेत्र की उन हजारों बालिकाओं के लिए एक महान प्रेरणास्रोत बनेगा जो विपरीत हालातों में भी उच्च शिक्षा के सपने संजोए हुए हैं।

राष्ट्रीय सचिव, पूर्व मंत्री गुर्जर ने बलियाखेड़ा व गोठड़ा गांव का लिया जायजा

आपदा के चार दिन बाद भी ग्रामीणों की सुध लेने नहीं पहुंचा जिला प्रशासन- गुर्जर

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर कस्बे के निकटवर्ती बलिया खेड़ा गांव में सोमवार सायं को आये तुफान ने गांव में जमकर तबाही मचाई, जिससे गांव के लोगों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ । कल गुरुवार शाम को कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव, पूर्व मंत्री, जहाजपुर पूर्व विधायक धीरज गुर्जर ने बलिया खेड़ा व गोठड़ा गांव पहुंचकर तुफान से हुएं नुकसान का जायजा लिया, इस दौरान लोगों के सब्र का बांध टूट गया और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े । जहां पूर्व मंत्री गुर्जर ने लोगों से उनके घरों, खेतों व नोहरों में हुएं नुकसान की जानकारी ली, जिस पर लोगों ने गुर्जर को बताया की 10-15 मिनट चले इस तूफान ने गांव के किसी भी घर को नहीं छोड़ा, सभी घरों में कुछ ना कुछ नुकसान हुआ, कुछ घरों से चद्दर, टीनशैड उड़ गए तो कहीं में दीवारे धराशाई हो गई, गांव के विद्युत पोल व डीपी धराशाई हो गए, पशु-पक्षी भी इसका शिकार बने । इस पर पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर ने गरीब परिवारों की सहायता के लिए एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि ग्रामीणों को दी । जैसे ही पूर्व मंत्री गुर्जर मांगी लाल जाट के घर पहुंचे, तो मांगीलाल जाट गुर्जर के पैरों में गिरकर रोने लगा, की उसने कैसे मेहनत मजदूरी करके मकान का निर्माण करवा रहे थे, लेकिन इस तुफान ने सब कुछ तबाह कर दिया, इस पर गुर्जर ने मांगीलाल को गले लगाकर ढांढस बंधाया । पूर्व मंत्री गुर्जर में भीलवाड़ा जिले के प्रशासन को खोजते हुए कहा कि चार दिन बीत जाने के बाद भी जिले का प्रशासन ग्रामीणों के सुध लेने के लिए मौके पर नहीं पहुंचा । इस दौरान कोटड़ी ब्लॉक अध्यक्ष महावीर सुवालका, विधानसभा प्रभारी भगवती लाल गुर्जर, पूर्व उपप्रधान मनीष गुर्जर, रेड़वास पूर्व सरपंच भंवर शर्मा, पंचायत समिति सदस्य भंवर गुर्जर, पराक्रम सिंह, लोकेंद्र सिंह, दुर्गेश सिंह आदि कहीं मौजूद रहे ।।

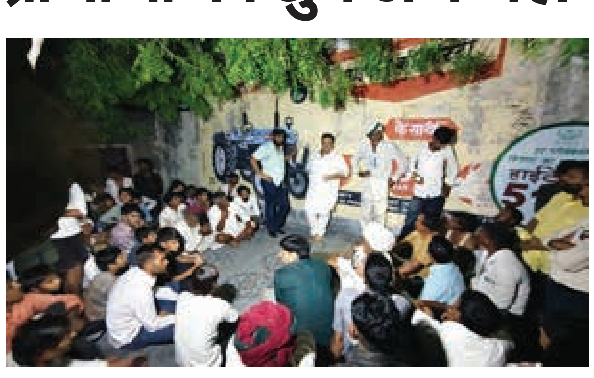

गरीब परिवारों को भी आर्थिक सहायता

कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर के द्वारा 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि गांव के प्रमुख लोगों को सौंपी, ताकि पीड़ित परिवारों को कुछ राहत मिल सके, इस पर ग्रामीणों ने इस राशि को शायर देवी पति मदनलाल बलाई, प्रताप चमार, सीता देवी पति मोतीलाल सुथार, रामलाल पिता देबी लाल जाट, महावीर पिता मांगूदिस वैष्णव, कैलाश पिता मांगू दास वैष्णव व हरफूल पिता बद्रीलाल जाट को यह सहयोग राशि वितरण की । ताकि उनके घर में जो नुकसान हुआ उनकी कुछ भरपाई हो सके ।।

ग्रामीणों पर इतनी बड़ी आपदा आई लेकिन नहीं पहुंचा कोई आला अधिकारी - गुर्जर

कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव वह पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर ने कहा कि बलिया खेड़ा व गोठड़ा गांवों में प्राकृतिक आपदा का ऐसा कहर टूटा की, तेज आंधी, बारिश व अधेड़ के कारण लोगों के चद्दर टूट गए, दीवारें गिर गई, मकान टूट गए, पेड़ टूट गए, पशुओं की मौत हो गई । ऐसी तबाही के बाद भी भीलवाड़ा जिले का प्रशासन की नींद नहीं उड़ी, कोई भी आला अधिकारी तीन दिन बाद भी मौके पर हालात का जायजा लेने, पीड़ित किसानों के आंसू पोंछने के लिए, उनकी तकलीफ को सुनने के लिए और उनको आर्थिक सहायता का आश्वासन देने के लिए नहीं पहुंचा । सूचना मिलने पर मैं मौके पर पहुंच पीड़ित परिवारों से मुलाकात करी, उनके नुकसान का आकलन किया, प्रभावितों के मकान का दौरा किया, तत्काल प्रभाव से जयपुर व भीलवाड़ा के अधिकारियों को फोन किया । 4 दिन से जो लाइट बंद थी उसे मुद्दे को उठाया और तत्काल लाइट चालू करने की बात करी और भीलवाड़ा में मुख्यमंत्री का दौरा है ऐसे समय में भी प्रशासन ग्राम वासियों की सुध नहीं लेता है तो मैं कहने में कोई संकोच नहीं की राजस्थान में सरकार नहीं बल्कि पोपा बाई का राज चल रहा है, ग्राम वासियों के हालात मुझे देख नहीं गए तत्काल प्रभाव एक लाख रुपए की सहायता ग्रामवासियों को प्रदान की, राम जब रूठ जाता है तो राज काम आता है और राज भी अगर सुध नहीं ले तो बेटा और भाई खड़ा होता है, मौके पर पहुंचकर लोगों के आंसू पोंछे । सरकार अगर उनकी मांगे नहीं सुनेगी तो आंदोलन करेंगे, सड़कों पर उतरेंगे, लेकिन इनको न्याय और मुआवजा दिलाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवसः डाइट उदयपुर में पौधारोपणकर पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), उदयपुर में आज शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण विषयक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी एवं डी.एल.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम संयोजक दर्जन सिह सिसोदिया ने बताया कि आयोजन की मुख्य वक्ता एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती शीला काहाल्या ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज का पथप्रदर्शक होता है। यदि हमारे छात्राध्यापक आज पर्यावरण के प्रति जागरूक होंगे, तो वे आने वाली पूरी पीढ़ी को प्रकृति प्रेमी बना सकेंगे। हमारा लक्ष्य केवल पौधा लगाना नहीं, बल्कि उसे वृक्ष बनाने तक उसकी देखभाल करना होना चाहिए।

पी एंड एम प्रभारी डॉ. मृदुला तिवारी ने इस दिवस के ऐतिहासिक संदर्भों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मुहिम आज वैश्विक आंदोलन बन चुकी है। हमें अपनी प्राचीन वैदिक संस्कृति की ओर लौटकर प्रकृति का सम्मान करना होगा। उन्होंने न सिर्फ भौतिक अपितु सांस्कृतिक एवं जैविक पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया।

इस अवसर पर ईटी प्रभागाध्यक्ष बीना कंवर राजपूत ने वर्ष 2026 की वैश्विक थीम 'प्रकृति के साथ जीना' पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि मानव को प्रकृति पर विजय पाने का अहंकार छोड़कर उसके साथ सामंजस्य बिठाकर जीवन जीना सीखना होगा।

गिरीश चौबीसा ने खेजडली बलिदान व चिपको आन्दोलन का स्मरण करते हुए दैनिक जीवन में छोटे बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के पूरी तरह बहिष्कार और जल संरक्षण की बात करते हुए उपस्थित सभी संभागियों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन की सामूहिक शपथ दिलाई।

इस अवसर पर प्राध्यापक हरिदत्त शर्मा एवं त्रिभुवन चौबीसा ने भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में संस्थान के डीएलएड प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक विकास मौसठ, भावेश पटेल, मोनिका गुप्ता तथा द्वितीय वर्ष के ललिता गुर्जर, ऋषभ मेहता, मानस कलाल, इंदिरा गरासिया, जयदेव सिंह पंवार, रोनकराज सिंह आदि ने भी प्रेरक संस्मरणों और लघु विचारों के माध्यम से अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

इस अवसर पर संस्थान के सत्यप्रिय आर्य, गायत्री जोशी, दीपक सेन, सुरेन्द्र सिंह शक्तावत, अमिता शर्मा, रियाज़ अहमद, पुस्तकालयाध्यक्ष कल्पना दीक्षित, चिराग सेनानी भी उपस्थित थे द्य

कार्यक्रम के अंतिम चरण में संस्थान प्राचार्या ने रमेश बड़गुर्जर एवं नीरू बेन के सहयोग से छात्रों की उपस्थिति में संस्थान परिसर में पौधरोपण किया। प्राचार्या ने उपस्थित छात्रों को इन पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

गंगापुर में मानसून को लेकर प्रशासन अलर्ट, सभी विभागों को दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। आगामी मानसून 2026 को देखते हुए उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों को बाढ़, अतिवृष्टि एवं आपदा प्रबंधन के लिए पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पेयजल उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी, विद्युत व्यवस्था, जल संसाधनों के रखरखाव, सड़कों एवं पुलियों की सुरक्षा, पशु चिकित्सा सेवाएं, विद्यालयों में सुरक्षा उपाय, स्वच्छता अभियान तथा आपदा नियंत्रण कक्षों की सक्रियता पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक संसाधन एवं राहत सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सहित सभी विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रशासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मानसून के दौरान जनहानि एवं संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए पूर्ण सतर्कता बरतने तथा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने को कहा।

हिन्दुस्तान जिंक ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया सघन वृक्षारोपण, 2000 पौधे लगाए

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स (सीएससी) में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत परिसर में लगभग 2000 पौधों का रोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, चित्तौड़गढ़ के क्षेत्रीय अधिकारी आशीष बोरासी रहे। उन्होंने नीम का पौधा रोपित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 'इंस्पायर्ड बाय नेचर फॉर क्लाइमेट, फॉर फ्यूचर' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और प्रकृति आधारित समाधानों को अपनाने का संदेश देता है।

इस अवसर पर चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स के एसबीयू डायरेक्टर आलोक रंजन ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारी कार्यशैली में सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण कितना महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने, संचालन में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स अपने नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी आधुनिक उपचार एवं पुनः उपयोग प्रणालियों के माध्यम से ताजे पानी पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में आयोजित किला एवं नदी सफाई अभियानों में कर्मचारियों और नागरिकों की उत्साहजनक भागीदारी पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है।

सह महाप्रबंधक (पर्यावरण) मनीषा भाटी ने बताया कि परिसर में लगभग 2000 पौधे लगाए गए हैं। भविष्य में भी चरणबद्ध योजना के तहत बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा, जिससे हरित क्षेत्र का विस्तार हो सके। कार्यक्रम में फैक्ट्री मैनेजर पुष्पेंद्र मीना, के. महेश कन्नन, रिपन घोष, पवन बहेती, ममता शर्मा, यूनियन पदाधिकारी रणजीत सिंह भाटी, एस.के. मोड़, जी.एन.एस. चौहान सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं बिजनेस पार्टनर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

'आई स्टैंड विद अलका लाम्बा' अभियानः चित्तौड़गढ़ महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष यशोदा पुरोहित पहुँचीं दिल्ली

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़/नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल को लेकर वर्ष 2024 में नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर आयोजित विशाल विरोध प्रदर्शन से जुड़े एक मामले में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अलका लाम्बा के खिलाफ हुई कानूनी कार्रवाई के विरोध में देश भर की महिला कांग्रेस लामबंद हो गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के समर्थन में चलाए जा रहे देशव्यापी 'आई स्टैंड विद अलका लाम्बा' अभियान के तहत दिल्ली के इंदिरा भवन में आयोजित एकजुटता कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़ महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित ने भी दिल्ली पहुंचकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई और पुरजोर समर्थन व्यक्त किया।

केवल एक व्यक्ति को निशाना बनाना न्यायसंगत नहीं: यशोदा पुरोहित

अभियान के दौरान राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर की महिला पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए चित्तौड़गढ़ महिला जिला अध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर तीखे सवाल उठाए। पुरोहित ने कहा कि जंतर-मंतर पर हुआ आंदोलन पूरी तरह से लोकतांत्रिक था, जिसमें देश भर से आई हजारों महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए भाग लिया था। ऐसे में आंदोलन की अगुवाई कर रही केवल अलका लांबा जी के खिलाफ ही एफआईआर (स्नद्ब) दर्ज कर द्वेषतापूर्ण कार्रवाई करना साफ तौर पर महिलाओं की बुलंद होती आवाज को दबाने का एक नाकाम प्रयास प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि जब

आंदोलन सामूहिक था, तो किसी एक नेता को इस तरह निशाना बनाना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं माना जा सकता।

राजस्थान से सारिका सिंह के नेतृत्व में पहुँचा 80 पदाधिकारियों का दलः

इस देशव्यापी एकजुटता अभियान में राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती सारिका सिंह के नेतृत्व में मरुधरा से लगभग 80 की संख्या में वरिष्ठ महिला पदाधिकारी और जिला अध्यक्ष दिल्ली पहुँचे। इस दौरान प्रदेश महासचिव श्रीमती वंदना शर्मा ने भी चित्तौड़गढ़ महिला जिला अध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित के साथ इंदिरा भवन, नई दिल्ली में आयोजित इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने का संकल्प दोहराया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाये पौधे, लिया देखभाल का संकल्प

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में उपभोक्ता कल्याण समिति राजस्थान एवं मध्य जोन अग्रवाल महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को पदाधिकारियों ने आजाद चौक में बिल्व पत्र के पौधे रोपित कर उनकी देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया। उपभोक्ता समिति के प्रदेश संगठन मंत्री पंकज हेमराजानी ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम में समिति प्रदेशाध्यक्ष अशोक जैन, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र मारू, संरक्षिका मंजू पोखरना, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सक्सेना, महिला प्रदेशाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष अनिल पारीक, महिला युवा प्रदेशाध्यक्ष निशा कंवर गौड़, जिला सचिव कमलेश बोडाना, डीके मोदी, अरविंद जैन, ममता शर्मा एवं मध्य जोन अग्रवाल महिला मंडल से निशा अग्रवाल, रेणू अग्रवाल, रितु निमोदिया आदि उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भीलवाड़ा डेयरी में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण आवश्यकः त्रिभुवन पाटीदार

प्रबंध संचालक ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, डेयरी परिसर में लगाए गए 75 पौधे

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (भीलवाड़ा डेयरी) परिसर में गुरुवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत डेयरी परिसर में विभिन्न प्रजातियों के 75 पौधे लगाए गए तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। भीलवाड़ा डेयरी के प्रबंध संचालक त्रिभुवन पाटीदार ने बताया कि राजस्थान सरकार के 'हरियालो राजस्थान' अभियान के अंतर्गत डेयरी को आवंटित 2000 पौधे लगाने के लक्ष्य को शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने एवं आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण आवश्यक है। कार्यक्रम में डेयरी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने नाम से पौधारोपण कर पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक उपयोग में कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को लेकर भी जागरूकता संदेश दिए गए। प्रबंध संचालक त्रिभुवन पाटीदार ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखरेख करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति भीलवाड़ा डेयरी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अशोक जाट पर हुए जानलेवा हमले को लेकर ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट पर उग्र प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पुर थाना क्षेत्र में एनएच-48 स्थित होटल सरपंच के संचालक एवं उसके साथियों द्वारा काणोली निवासी अशोक जाट पर कथित जानलेवा हमले के मामले में ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। जाट महासभा अध्यक्ष सत्यनारायण गूगड़ और भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र जाट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 1 जून को होटल सरपंच के संचालक ओमप्रकाश जाट, राकेश तथा 7-8 अन्य लोगों ने अशोक जाट पुत्र भंवरलाल जाट के साथ बेरहमी से मारपीट कर जान से मारने का प्रयास किया। घटना की सूचना तत्काल पुर थाना पुलिस को दी गई थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अब तक पीड़ित का मेडिकल ज्यूरिस्ट से मेडिकल परीक्षण भी नहीं कराया गया है, जिससे पीड़ित

परिवार और ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो अपराधियों के हौसले और बढ़ेंगे तथा आमजन का कानून व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा।

ज्ञापन के माध्यम से जिला कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच करवाने, सभी नामजद आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने, पीड़ित का मेडिकल परीक्षण करवाने तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य भंवरलाल गाडरी, प्रशासक प्रतिनिधि लक्ष्मण खारोल, गोपाल जाट, किशन जाट, मधु, पूषालाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द निष्पक्ष जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो ग्रामीणों को व्यापक जनआंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाया पौधा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेंज कार्यालय गंगापुर-सहाड़ा स्थित नर्सरी परिसर में उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर एवं वन विभाग के अधिकारियों द्वारा 'एक पौधा लोकतंत्र 2026 के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आमजन से अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान वन विभाग की ओर से क्षेत्रीय वन अधिकारी गीता शर्मा के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया तथा उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वनपाल तेज सिंह, वनपाल नारायण सिंह, वनरक्षक शंभू सिंह एवं सोनू शर्मा सहित वन विभाग के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित रखने का संदेश दिया।

हुरड़ा तहसील माहेश्वरी सभा के निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ अभिनंदन

समाज की एकता एवं संगठन की मजबूती के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगाः काल्या

सर्वसम्मति से चुनी गई नई कार्यकारिणी, समाजजनों ने संगठन की एकता एवं विकास का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के हुरड़ा तहसील माहेश्वरी सभा के निर्वाचन सर्वसम्मति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निर्विरोध सम्पन्न हुए। सभा के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन होने से समाजबंधुओं में हर्ष एवं उत्साह का माहौल रहा। निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से सम्पन्न होने पर समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अरविन्द कुमार सोमानी को अध्यक्ष एवं अशोक अजमेरा को मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर रामगोपाल काहल्या, कोषाध्यक्ष पद पर सत्यनारायण तोषनीवाल, संगठन मंत्री पद पर राधेश्याम जागेटिया तथा संयुक्त मंत्री पद पर अशोक कुमार डाड निर्विरोध निर्वाचित हुए। वहीं जिला प्रतिनिधि के रूप में बसन्तीलाल काल्या, दिनेश तोषनीवाल, शिवकुमार काष्ट, संजय राठी, मुकेश काहल्या एवं बालकृष्ण झंवर का चयन किया गया। सभा के संरक्षक बसन्तीलाल काल्या ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज की एकता एवं संगठन की मजबूती के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम के नेतृत्व में माहेश्वरी समाज संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगा तथा समाजहित के कार्यों को नई गति मिलेगी। निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने में चुनाव अधिकारी राजेंद्र प्रसाद बिड़ला, कृष्ण गोपाल राठी एवं रामकिशन सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं जिला पर्यवेक्षक प्रमोद डाड एवं अशोक बिड़ला के मार्गदर्शन में संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। इस अवसर पर नगरपालिका गुलाबपुरा के निवर्तमान चेयरमैन सुमित काल्या ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला एवं साफा पहनाकर शुभकामनाएं दी। समाजजनों ने चुनाव अधिकारियों एवं जिला पर्यवेक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए समाज की एकता, विकास एवं संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में हुरड़ा तहसील माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार लढा ने सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रीको द्वारा औद्योगिक भूखण्डों का प्रत्यक्ष आवंटन योजना (ग्यारहवाँ चरण) के अन्तर्गत आवंटन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

रीको द्वारा जिले में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में 348 औद्योगिक भूखण्डों की प्रत्यक्ष आवंटन योजना (ग्यारहवाँ चरण) के माध्यम से आवंटन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है। जिसमें औद्योगिक क्षेत्र फतेहपुरा-समेलिया, तहसील शाहपुरा में 230 भूखण्ड, करणपुरा तहसील माण्डलगढ में 42 भूखण्ड, कान्याखेडी, तहसील हमीरगढ में 04 भूखण्ड, उखलिया तहसील अंटाली में 04 भूखण्ड, पण्डेर (गुलाबपुरा), तहसील जहाजपुर में 17 भूखण्ड, धुवालां, तहसील माण्डल में 18 भूखण्ड, पीपलून्द, तहसील जहाजपुर में 06 भूखण्ड तथा किडीमाल, तहसील करेडा में 07 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध है। औद्योगिक क्षेत्र फतेहपुरा-समेलिया में 02 वेयरहाउस भूखण्ड भी आवंटन हेतु रखे गये है।

इसके अतिरिक्त निगम प्रबन्धन द्वारा नवीन औद्योगिक क्षेत्र टेक्सटाईल पार्क रूपाहेली, तहसील हुरडा के 18 औद्योगिक भूखण्डों को आवंटन हेतु रखा गया है, जिसमें राजस्थान टेक्सटाईल एण्ड अपैरल पॉलिसी 2025 के अन्तर्गत आने वाले उद्योग व टेक्सटाईल संबंधित इकाईयां भूखण्ड आवंटन हेतु आवेदन कर सकती है।

रीको के वरि0 उप महाप्रबन्धक एस.के.नेनावटी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र फतेहपुरा-समेलिया, पण्डेर (गुलाबपुरा), पीपलून्द, धुवालां एवं किडीमाल को फ्लेक्सिबल लीज पॉलिसी के अन्तर्गत शामिल किया गया है। जिसमें औद्योगिक भूखंडों का आवंटन विशेष रियायती, आरक्षित दर की 60 प्रतिशत दर पर 33 वर्ष की लीज अवधि के लिये किया जायेगा।

इच्छुक निवेशक को ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत अमानत राशि 16 जून को सायं 6.00 बजे तक जमा करानी होगी। एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया जायेगा।

निवेशक जिन्होंने ईएमडी की अन्तिम तिथि तक राइजिंग राजस्थान के अन्तर्गत राज्य सरकार के साथ एमओयू किये है वे सभी इस योजना में भूखण्ड आवंटन हेतु पात्र है एवं भूखण्ड का आवंटन एमओयू धारक के नाम पर ही जारी किया जायेगा।

निगम नियमानुसार उद्यमियों की सुविधा के लिये आवेदक को 25 प्रतिशत राशि का भुगतान जमा कराने के बाद शेष 75 प्रतिशत राशि का भुगतान 19 त्रैमासिक किश्तों में 8.50 प्रतिशत ब्याज के साथ जमा कराने या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान का प्रावधान है। 25 प्रतिशत राशि जमा कराते ही भूखण्ड का आवंटन पत्र एवं भूखण्ड का कब्जा निवेशक को प्रदान कर दिया जायेगा।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने ली विद्युत विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक; सुचारू आपूर्ति और सुरक्षा पुख्ता करने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

सांगोद। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शुक्रवार को थर्मल कॉलोनी सकतपुरा स्थित इलेक्टर हॉस्टल में विद्युत विभाग की संभाग स्तरीय एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। इस उच्च स्तरीय बैठक में कोटा संभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों सर्विस, ट्रांसमीटर, वितरण और उत्पादन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मंत्री नागर ने आगामी मानसून सीजन से पूर्व बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करना, सुरक्षा मानकों की समीक्षा करना और उपभोक्ताओं से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम से पहले बिजली की पर्याप्त और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मानसून के दौरान विद्युत आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं आना चाहिए। इसके लिए यदि कहीं पर भी तकनीकी फाल्ट आने की थोड़ी सी भी संभावना नजर आती है, तो उसे अभी से चिन्हित कर तुरंत ठीक किया जाए। आपदा प्रबंधन, आवश्यक सामग्री की उपलब्धता और आपात स्थिति में त्वरित पुनर्स्थापन के लिए पुख्ता कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता वाई.के. ऐरन, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता के.के. मीणा, कोटा जोन के मुख्य संभागीय मुख्य अभियंता जी.एस. बैरवा सहित कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों के अधीक्षण अभियंता एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री ने आमजन और पशुधन की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि संभाग में दुर्घटनाओं की संभावना वाली सभी लाइनों और खंभों को अविलंब ठीक किया जाए ताकि हादसों में कमी लाई जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि झूलते हुए तारों को कसा जाए, टेढ़े-मेढ़े पोल दुरुस्त किए जाएं और सड़कों व भवनों के ऊपर से गुजरने वाली हाई रिस्क लाइनों की गंभीरता से समीक्षा कर समाधान निकाला जाए। इसके अलावा, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वृक्षों की कटाई-छंटाई का कार्य समय पर पूरा करने को कहा गया ताकि आंधी-तूफान के समय व्यवधान न हो।

कृषि एवं अन्य नवीन कनेक्शनों में तेजी लाने के निर्देश

किसानों को राहत देने के संकल्प को दोहराते हुए मंत्री नागर ने कहा कि जिन कृषि कनेक्शनों के डिमांड नोट जमा हो चुके हैं, उन्हें आगामी जुलाई माह तक हर हाल में विद्युत कनेक्शन जारी कर दिए जाएं। ऑनलाइन प्राप्त होने वाले आवेदनों, औद्योगिक और घरेलू व अघरेलू कनेक्शनों के लंबित मामलों की भी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बारां जिले के शाहाबाद, किशनगंज और छबड़ा में दिन के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 220 केवी जीएसएस तैयार किया जा रहा है। जबकि संभाग के अन्य सभी स्थानों पर वर्तमान में दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

जनसमस्याओं का हो त्वरित निस्तारण और योजनाओं की समीक्षा

ऊर्जा मंत्री ने फाल्ट रेक्टिफिकेशन टीम (स्न'') के कामकाज और कॉल सेंटर व संपर्क पोर्टल (181) पर दर्ज होने वाली उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान की रफ्तार पर भी चर्चा की। उन्होंने एफआरटी से जुड़ी शिकायतों को तुरंत दूर करने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना, कुसुम प्रोजेक्ट, स्मार्ट मीटर स्थापना और बिजली चोरीब रोकने हेतु सतर्कता गतिविधियों (विजिलेंस) की भी गहन समीक्षा की गई।

मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित 50 लाख मूल्य की संपत्ति फ्रीज

एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ (2) के तहत कार्रवाई

चित्तौड़गढ़। अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पारसोली थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ (2) के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए एक मादक पदार्थ तस्कर की करीब 50 लाख रुपये मूल्य की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को फ्रीज किया है। कार्रवाई में भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्थायी अनुमोदन के उपरांत भूमि, आवासीय भवन एवं दो वाहनों को फ्रीज किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी भगवत सिंह हिंगड़ के निर्देशन व डीएसपी बेगूं अंजली सिंह के सुपरविजन में थाना क्षेत्र के कमलेश पिता भैरू लाल गुर्जर (29) निवासी लुहारिया पुलिस थाना पारसोली के खिलाफ थाना नगाणा जिला बाड़मेर व थाना पारसोली पर एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज होने से जांच की जाकर कमलेश गुर्जर द्वारा अवैध रूप से अर्जित सम्पति (भूमि) आराजीयात पटवार हल्का ईटावा में खाता नंबर 78 खसरा नं 438, 440, 441, 442, 443 कुल किता 5 रकबा 4.6370 में से कमलेश गुर्जर का हिस्सा 125/4637 हैक्टर एवं ग्राम पंचायत ईटावा के गांव लुहारिया में भैरूलाल पिता नन्दा गुर्जर निवासी लुहारिया के नाम पर दर्ज आवासीय भवन पट्टा बुक सं. 447 पट्टा सं. 50 तथा कमलेश गुर्जर के नाम पर स्कॉर्पियो-एन, व रेनोल्अ क्विड को फ्रीजिंग हेतु सक्षम प्राधिकारी प्रशासक सुरक्षित (एफओपी)ए एनडीपीएस अधिनियम दिल्ली को प्रस्ताव भेजा गया जिसकी बाद सुनवाई कमलेश गुर्जर की जमीन, आवासीय मकान व स्कॉर्पियो कार व क्विड कार को फ्रीजिंग का स्थाई अनुमोदन आदेश मिलने के बाद उक्त कार्यवाही की गई।

उक्त कार्रवाई थानाधिकारी ठाकराराम, एएसआई देवी लाल, गोविन्द सिंह, कांस्टेबल प्रकाश, गिरधारी लाल, राजेन्द्र, दिनेश, महिला कांस्टेबल ललिता की टीम द्वारा की गई।

पोंधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प, अधिकारी भी रहें मौजूद

स्मार्ट हलचल

लाखेरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लाखेरी में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मां नाना देवी मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री बाबूलाल वर्मा, पूर्व जिला परिषद सदस्य रामबाबू शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष नवीन यादव, उपखंड अधिकारी सुरेंद्र सिंह चौधरी तथा नगर पालिका अधिशासी अधिकारी नरेश राठौर ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी बन गया है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति के अनमोल उपहार हैं, जो मानव जीवन को स्वच्छ हवा, शुद्ध वातावरण और बेहतर भविष्य प्रदान करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए पौधों की सुरक्षा और देखभाल का संकल्प लिया। मंदिर परिसर में लगाए गए पौधों को संरक्षित रखने का जिम्मा भी स्थानीय नागरिकों ने उठाया।

इसी क्रम में स्थानीय नगर पालिका द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह आयोजित कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी सुरेंद्र सिंह चौधरी एवं अधिशाषी अधिकारी नरेश राठौर ने पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। इस दौरान उपखंड अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण तथा प्लास्टिक के उपयोग से बचने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी देवेंद्र कुमार शर्मा, नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता दिनेश मीणा, रामवीर गुर्जर, उमेश शर्मा, नगर पालिका के कर्मचारी, नरेगा मजदूर एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार राजेश तंवर ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने लोगों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। उपस्थित जनसमूह ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करने का संकल्प लिया।

सोशल मीडिया पर फर्जी रेलवे भर्ती विज्ञापनों से सावधान रहें : कोटा मंडल ने जारी की चेतावनी

रेलवे में भर्ती केवल आरआरबी एवं आरआरसी के माध्यम से, किसी भी प्रकार की सीधी नियुक्ति अथवा शुल्क की व्यवस्था नहीं

स्मार्ट हलचल | कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने आमजन को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे फर्जी रेलवे भर्ती विज्ञापनों से सतर्क रहने की सलाह दी है। मंडल के संज्ञान में आया है कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'कोटा जंक्शन रेलवे स्टेशन भर्ती 2026' जैसे भ्रामक शीर्षकों के साथ नकली विज्ञापन प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से बेरोजगार युवाओं को रेलवे में नौकरी का झांसा देकर आर्थिक ठगी का प्रयास किया जा रहा है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि भारतीय रेलवे में सभी भर्तियां निर्धारित नियमों एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत केवल रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) तथा रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) के माध्यम से की जाती हैं। रेलवे किसी भी पद पर सीधी भर्ती, बिना परीक्षा नियुक्ति अथवा निजी माध्यम से चयन जैसी कोई प्रक्रिया नहीं अपनाती है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे 'बिना परीक्षा भर्ती', 'डायरेक्ट इंटरव्यू', 'तुरंत नियुक्ति' अथवा 'कम शैक्षणिक योग्यता पर नौकरी' जैसे दावों वाले विज्ञापन पूरी तरह फर्जी एवं भ्रामक हैं। इन विज्ञापनों में रेलवे का नाम, लोगो अथवा स्टेशन के नाम का अनधिकृत उपयोग कर लोगों को भ्रमित किया जाता है। ऐसे विज्ञापनों का भारतीय रेलवे अथवा कोटा मंडल से कोई संबंध नहीं है।

रेल प्रशासन ने युवाओं एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी भर्ती संबंधी सूचना की सत्यता आधिकारिक स्रोतों से अवश्य जांच लें तथा किसी भी व्यक्ति या संस्था को नौकरी के नाम पर धनराशि का भुगतान न करें। यदि किसी को इस प्रकार का संदिग्ध विज्ञापन प्राप्त होता है तो उसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर दें तथा संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इसकी शिकायत दर्ज कराएं।

रेलवे भर्ती संबंधी सभी प्रामाणिक एवं अद्यतन जानकारी केवल भारतीय रेलवे तथा रेलवे भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध होती है। आमजन से अनुरोध है कि भर्ती संबंधी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करें।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में मातृ विज्ञान संस्थान के निर्माण कार्य को मिली गति

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उदयपुर को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत आरएनटी मेडिकल कॉलेज परिसर में 120 करोड़ रुपये की लागत से मातृ विज्ञान संस्थान की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निर्माण कार्य के निष्पादन के लिए एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड को कार्यकारी एजेंसी नियुक्त करते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त बाबूलाल गोयल ने इस संबंध में आदेश जारी किए। आदेश में आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक को निर्देशित किया गया है कि कार्यकारी एजेंसी को शीघ्र लेटर ऑफ इंटेंट जारी कर निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ करवाई जाए। साथ ही एजेंसी एवं मेडिकल कॉलेज के मध्य एमओए संपादित करने सहित सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेशानुसार परियोजना की डीपीआर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बीएसआर दरों के आधार पर तैयार की जाएगी तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों एवं थर्ड पार्टी निरीक्षण की व्यवस्था रहेगी। परियोजना के दौरान सभी तकनीकी विनिर्देशों को पूर्व में ही अंतिम रूप देने, आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने तथा भवन निर्माण को सुरक्षा मानकों एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की बजट घोषणा जनाना अस्पताल निर्माण को लेकर गत दिनों 60 करोड़ रूपए डीएमएफटी मद से तथा 60 करोड़ रूपए की बजट स्वीकृति युडीए से जारी हुई थी। मातृ विज्ञान संस्थान की स्थापना से उदयपुर संभाग सहित दक्षिणी राजस्थान की महिलाओं को आधुनिक एवं विशेषज्ञ मातृ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। आरएनटी प्रधानाचार्य डॉ राहुल जैन ने बताया कि मातृ विज्ञान संस्थान का भूमि पूजन माननीय मुख्यमंत्री महोदय के हाथों से कराने के लिए विधायक श्री ताराचंद जैन के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं।

ब्लाइंड मर्डर का पुलिस थाना भवानीमण्डी ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

ब्लाइंड मर्डर का तकनीकी विश्लेषण व मनोवैज्ञानिक तरीके से किया खुलासा

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। पचपहाड़ में 20 दिन पूर्व हुए ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना भवानीमण्डी इलाके में दिनांक 14 मई को गरोठ फाटक पचपहाड़ के पास एक व्यक्ति की लाश मिली जिसकी जगदीश पुत्र कन्हैयाल जाति लुहार निवासी पचपहाड़ के रूप में पहचान हुई। जिस पर मर्ग नंबर 16/2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस 2023 में दर्ज की गयी। संदिग्ध अवस्था में मृत्यु होने के कारण एफ.एस.एल. टीम द्वारा घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित किये गये। तकनीकी विश्लेषण व आसूचना संकलन के आधार पर मृतक जगदीश लुहार की ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए उक्त घटना पर प्रकरण संख्या 229/2026 धारा 103(1) बी.एन.एस में दर्ज कर जगदीश लुहार की निर्मम हत्या करने वाला आरोपी राम सिंह को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गयी।

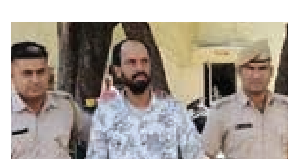

घटना विवरणः- दिनांक 14 मई को फिरियादी राहुल पांचाल पुत्र कालूराम जाति लुहार उम्र 31 वर्ष निवासी बाबा चौराहा पचपहाड़ थाना भवानीमण्डी ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया कि मैं मेरे घर पर था तो मुझे मेरे भानजे मनीष निवासी पचपहाड़ ने मोबाइल से बताया कि गरोठ फाटक पचपहाड़ के पास चाचा जगदीश पांचाल मृत अवस्था में मिले हैं तब मैं भी घर से मौके से गया तो पुलिस भी आ चुकी थी। मेरे चाचा जी मृत अवस्था में थे जिनके काफी खून निकला हुआ था। मेरे चाचा जी की मृत्यु के सम्बन्ध में जानकारी की जावे इत्यादि पर मर्ग संख्या 16/2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस 2023 में दर्ज कर जांच प्रारम्भ की गयी।

कार्यवाही पुलिसः- घटना की गम्भीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व भागचन्द मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन एवं कमल मीणा '.क्क्ऱ वृताधिकारी वृत भवानीमण्डी निकटतम सुपरिवीक्षण में प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमण्डी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटना स्थल का एफ.एस.एल टीम द्वारा मौका मुआयना करवाया गया, घटना स्थल के आस-पास के व्यक्तियों से पूछताछ की गयी। घटना के सम्बन्ध में आसूचना संकलित की गयी। तकनीकी व मनोवैज्ञानिक तरीके से निर्मम हत्या करने का खुलासा किया जाकर घटना में प्रकरण दर्ज कर हत्या का आरोपी रामसिंह पुत्र गापालसिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी गुराडिया माना थाना भवानीमण्डी जिला झालावाड़ को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर साइकिल रैली, पौधारोपण

स्मार्ट हलचल | कोटा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोटा ग्रीन कम्युनिटी, वाइल्डलाइफ डिवीजन कोटा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल तथा पैडल फॉर साइकिल के संयुक्त तत्वावधान में साइकिल रैली एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली और प्रदूषण नियंत्रण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

कोटा ग्रीन कम्युनिटी के संस्थापक प्रणव राज सिंह खींची ने बताया कि प्रातः नयापुरा चिड़ियाघर से अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क तक साइकिल रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमियों, युवाओं, प्रकृति प्रेमियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का संदेश दिया।

साइकिल रैली के उपरांत अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान अर्जुन, विजयसार, चंदन, बहेड़ा, बोर, पुत्रंजीवा, गुलमोहर, अमलतास, जकरंडा, बरगद और कदंब सहित विभिन्न प्रजातियों के लगभग 300 पौधे रोपे गए। प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत प्रयास करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) सुगनाराम जाट, उप वन संरक्षक (डीसीएफ) अनुराग भटनागर, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की क्षेत्रीय अधिकारी योग्यता सिंह, सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) पंकज मीणा, नेचर प्रमोटर ए.एच. जैदी, वन रक्षक मनोज शर्मा, बुधराम जाट, प्रेम कंवर शक्तावत, पर्यावरणविद् वीर राघवाचार्य, मनीष त्रिपाठी, रितेश जैन, रामावतार सुमन, मनोहर द्विवेदी और विनीत महोबिया सहित बड़ी संख्या में प्रकृति प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रणव खिची ने बताया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर जनआंदोलन का रूप ले, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प और हरित भविष्य के संदेश के साथ हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर युवाओं ने दिया हरित भविष्य का संदेश

नवलसागर पर स्वच्छता, पौधारोपण एवं संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल | बूंदी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माय भारत, बूंदी के तत्वावधान में रामेष्ट युवा मंडल संस्थान, बूंदी द्वारा नवलसागर परिसर में भव्य पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवलसागर एवं उसके आसपास के क्षेत्र में पॉलीथीन एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों की सफाई से हुई। स्वयंसेवकों ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने का संदेश देते हुए व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इसके पश्चात विभिन्न प्रजातियों के पौधों का पौधारोपण किया गया। उपस्थित सभी युवाओं एवं बच्चों ने पौधों की नियमित देखभाल, संरक्षण एवं उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लिया।

इसके उपरांत भारत गणेश व्यायामशाला में पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला युवा अधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने युवाओं से जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा यदि पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन रामेष्ट युवा मंडल संस्थान के सचिव रोहन गुर्जर द्वारा किया गया। वहीं संस्थान के अध्यक्ष शिखर पंचोली ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मंडल द्वारा किए जा रहे पर्यावरण संरक्षण, विरासत संरक्षण एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। उनके नेतृत्व में पौधारोपण अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में पूर्व वार्ड पार्षद मनीष सिसोदिया, राजस्थान पर्यटन विभाग के वरिष्ठ छायाकार नारायण मंडोवरा एवं राजेंद्र हाड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे जनहितकारी अभियानों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर नैतिक शर्मा, धैर्य सिंह, उत्कर्ष सिंह चौहान, राकेश, गोलू, भूपेंद्र योगी, देवेश, रुद्रांश गुर्जर, तेजस्वी मेहता सहित बड़ी संख्या में युवा एवं बच्चे उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। अंत में संस्थान अध्यक्ष शिखर पंचोली ने सभी अतिथियों, स्वयंसेवकों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ एवं 'एक पृथ्वी, एक संकल्प, एक भविष्य' के संदेश के साथ हुआ।

प्रताप जयंती पर चित्तौड़-प्रतापगढ़ खिताबी कुश्ती दंगल व शोभायात्रा

चित्तौड़गढ़। हिन्दुआ सूरज प्रातः स्मरणीय वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती महावीर व्यायाम शाला द्वारा 16 व 17 जून को कुश्ती दंगल व शोभायात्रा के साथ हर्षोल्लास से मनाई जायेगी।

व्यायामशाला के सचिव मनोज सोनी ने बताया कि तैयारियों को लेकर गुरुवार को व्यायामशाला के प्रागंण में उस्ताद देवराज पहलवान के मुख्य आतिथ्य, उस्ताद कैलाश चन्द्र गुर्जर सामरी की अध्यक्षता, पूर्व खेल अधिकारी अनिरुद्ध सिंह भाटी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित बैठक में स्व. उस्ताद नारायण सिंह पहलवान के वर्ष 1942 से कुश्ती दंगल व शोभायात्रा की परम्परा कायम रखते हुए प्रताप जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का सर्व सहमति से निर्णय लिया गया। उस्ताद पहलवान कैलाश गुर्जर ने बताया कि 16 जून को प्रातः 10 बजे चित्तौड़-प्रतापगढ़ केसरी कुमार सहित विभिन्न भार वर्ग में महिला एवं पुरुषों का वजन लिया जावेगा। सांय 3 बजे दंगल का उदघाटन सत्र होगा। 17 जून को सांय 5 बजे से महाराणा प्रताप की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो नगर के पारम्परिक मार्गो से होते हुए महावीर व्यायाम शाला पर संपन्न होगी। कुश्ती दंगल में गुर्ज (गदा) नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह के साथ ही आने-जाने का किराया दिया जायेगा एवं आवास व भोजन व्यवस्था की जायेगी।

ब्यावर में पर्यावरण दिवस की धूमः संगिनी ग्रुप ने बांटी 'ग्रीन किट', जीव दया संस्था ने मुक्तिधाम में किया पौधारोपण

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्यावर शहर में पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान कहीं बच्चों ने पोस्टरों के माध्यम से हरी-भरी धरती का संदेश दिया, तो कहीं विभिन्न संगठनों ने संयुक्त रूप से पौधरोपण कर प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत रोपे पौधे

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे कम्पनी गार्डन में की गई। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'ग्रीन किट' का वितरण किया गया, जिसमें कपड़े का बैग, एक पौधा और 'सेव वॉटर' का संदेश शामिल था। इसके साथ ही मूक पक्षियों के लिए परिंडे भी वितरित किए गए।

इसके बाद संस्था के सदस्यों ने हरित (ग्रीन) ड्रेस कोड में तिजाड़ी गौशाला (मसूदा रोड) पहुंचकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण किया।

संस्था पदाधिकारियों के संदेशः

फाउंडर प्रेसिडेंट प्रीति डेडिया ने कहा कि प्लास्टिक का कम उपयोग और जल संरक्षण जैसे छोटे-छोटे प्रयास पर्यावरण सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। अध्यक्ष सुमिता बाबेल ने पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और हर व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। सचिव ईशा कोठारी ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। इस अवसर पर आकाशा बूरड़, शोभना मेहता, खुशी बाबेल, विनिता बूरड़, रुपाली डांगी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

बच्चों में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने के लिए आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहेः कक्षा 6 से 8 वर्गः सार्थक बुर्ड (प्रथम), आध्या जैन (द्वितीय) एवं आयुषी जैन (तृतीय)। कक्षा 9 से 12 वर्गः दिशिता डांगी (प्रथम), सिद्धार्थ नाहटा (द्वितीय) एवं श्रेया जैन (तृतीय)। इसके अलावा सिद्धांत बुर्ड और इशिका नाहटा सहित अन्य प्रतिभागियों ने भी सराहनीय प्रस्तुति दी।

श्री जीव दया सेवा संस्था ने मुक्तिधाम परिसर को बनाया हरित

पर्यावरण दिवस के इसी क्रम में श्री जीव दया सेवा संस्था, जिला ट्रैफिक पुलिस, ई-रिक्शा यूनियन ब्यावर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में मुक्तिधाम परिसर में एक वृहद पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए गए।

अतिथियों व वक्ताओं के विचारः

संस्था सचिव कपिल सेन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी है। ट्रैफिक पुलिस हवलदार मंगल चंद ने वृक्षों को मानव जीवन का आधार बताते हुए स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। संस्था कोषाध्यक्ष डीके जैन ने संदेश दिया कि एक वृक्ष लगाना हजारों पक्षियों और जीवों के जीवन की रक्षा करने के समान है।

इस पुनीत कार्य में योगेश शर्मा, राजेंद्र जैन, नारायण सिंह गणेशपुरा, विष्णु पारीक, कैलाश शेखावत, महावीर शर्मा, भरत सिंह, ई-रिक्शा यूनियन अध्यक्ष दीपक अटवाल और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संजय सिंह गहलोत सहित ई-रिक्शा यूनियन के सदस्यों ने श्रमदान कर पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

निर्माण की गुणवत्ता पर सवालः एन एच -458 के नाले पहली बारिश में ही टूटे

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। जसनगर कस्बे के बालाजी नगर की ओर जाने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग-458 पर वर्षा जल निकासी व्यवस्था पहली ही बारिश में ही धराशायी हो गई। आरएसआरडीसी विभाग द्वारा हाल ही में बनाए गए नाले कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बारिश का पानी सीधे सड़क पर बहने लगा और यातायात प्रभावित हो गया।

तेज बारिश के बाद नालों के टूटने और क्षतिग्रस्त होने से जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई। इसके चलते सड़क पर भारी मात्रा में पानी जमा हो गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर जलभराव इतना अधिक हो गया कि आवागमन भी धीमा पड़ गया।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि नालों का निर्माण कुछ समय पहले ही किया गया था, लेकिन पहली ही अच्छी बारिश ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण यह स्थिति बनी।

ग्रामीणों ने चिंता जताई कि यदि समय रहते क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत नहीं करवाई गई तो आगामी बारिशों में हालात और बिगड़ सकते हैं। लगातार सड़क पर पानी बहने से एनएच-458 की सड़क सतह को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और आरएसआरडीसी विभाग से मामले की तत्काल जांच कराने, दोषी ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा नालों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने की मांग की है।

पर्यावरण दिवस पर मेवाड़ यूनिवर्सिटी में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

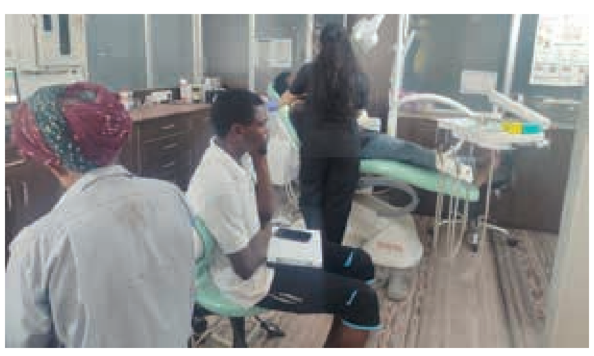

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल सिम्स अस्पताल, भीलवाड़ा एवं मेवाड़ यूनिवर्सिटी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में मेवाड़ यूनिवर्सिटी अस्पताल गंगरार में एक निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रातः 09 बजे से सायं 05 बजे तक चला।

शिविर में आमजन को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर जांच एवं अन्य आवश्यक चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराई गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा आमजन से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। यह आयोजन स्वस्थ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया द्य इसमें नेत्र रोग के 27 सामान्य रोग के 13 ईएनटी के 14 फिजियोथेरेपी के 11 दंत रोग के 12 प्रसूति एवं स्त्री रोग के 2 त्वचा रोग के 21 सामान्य चिकित्सा के 13 सहित कुल 119 रोगियों की जांच की गई।

वाहन चोरी गिरोह का पर्दाफाश

चित्तौड़गढ़। जिले की निम्बाहेड़ा कोतवाली पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक प्रकरण का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, राजसमंद एवं उदयपुर जिलों से कई मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि गत 06 मई 2026 को प्रार्थी पंकज गायरी निवासी गादोला द्वारा कोतवाली निम्बाहेड़ा थाने पर मोटर साइकिल चोरी की दर्ज करवाई गई रिपोर्ट पर एएसपी मुकुल शर्मा एवं डीएसपी बद्रीलाल राव के निर्देशन में थानाधिकारी रामसुमेर मीणा द्वारा एएसआई देवेन्द्र सिंह मय जाप्ता कांस्टेबल राकेश, धर्मेन्द्र कुमार की गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए पतेरसी माल मुल्जिमान के दौरान सीसी टीवी फुटैज के अनुसार पुलिस थाना राजनगर जिला राजसमंद पर प्रकरण हाजा का माल मसरूका मोटरसाइकिल रजिस्ट्रेशन नम्बर आरजे 09 आरएस 8344 हीरो कम्पनी की स्पलेण्डर को अभियुक्त नारायण लाल पिता रामेशवर लाल बैरवा (26) निवासी धमाणा धोबीखेडा थाना कपासन जिला चित्तौड़गढ़ व अयुब मोहम्मद पिता शब्बीर मोहम्मद मन्सुरी (21) निवासी धमाणा थाना कपासन जिला चित्तौड़गढ़ से धारा 106 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 मे जप्त होने की सूचना प्राप्त होने पर उक्त अभियुक्तगणो को नियमानुसार गिरफ्तार कर गहनता से पूछताछ की गई तो उन्होंने एक नामजद फरार अभियुक्त के साथ मिलकर उपरोक्त जप्तशुदा मोटरसाइकिल के अलावा 5 मोटर साइकिले हीरो कम्पनी की स्पलेण्डर व एसएफ डीलक्स मोटरसाइकलें को चोरी करना स्वीकार किया।

ब्यावर में पर्यावरण दिवस पर अनोखा संगमः 'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' अभियान से दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर जिलेभर में एक बेहद अनूठी और सराहनीय पहल देखने को मिली। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमल राम मीना के निर्देशानुसार, पूरे जिले में विशेष स्वीप (स्ङ्क्षश्वश्वक्क) गतिविधि के तहत 'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' अभियान का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अभियान के जरिए न केवल धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया गया, बल्कि आमजन को मतदान के प्रति भी जागरूक किया गया।

जनभागीदारी से महके सार्वजनिक स्थल

अभियान के तहत ब्यावर के विभिन्न राजकीय व निजी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, पेट्रोल पंपों और पार्कों में स्थानीय प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण को बचाने में अपनी जनभागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

पर्यावरण के साथ लोकतंत्र की मजबूती का पाठ

पौधारोपण के साथ-साथ उपस्थित नागरिकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी भूमिका की याद दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरानः मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकार और नैतिक मतदान के प्रति जागरूक किया गया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की गई।

वैश्विक थीम पर आधारित प्रयासः

प्रशासन ने यह संदेश दिया कि जिस तरह प्रकृति का संतुलन सामूहिक जिम्मेदारी है, ठीक उसी तरह लोकतंत्र की मजबूती भी सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पौधों की देखभाल करने और अपने मत का सही प्रयोग करने की सामूहिक शपथ ली।

पर्यावरण दिवस पर कृषि विभाग सावर की कृषक गोष्ठी आयोजित

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा नीलकंठ महादेव परिसर में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक किया गया।

वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक बाबूलाल मीना ने बताया कि गोष्ठी में सहायक कृषि अधिकारी नासिर बेग ने किसानों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने जीवामृत, बीजामृत, वर्मी कम्पोस्ट एवं कम्पोस्ट खाद के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण एवं मिट्टी को दूषित होने से बचाने के लिए किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक खेती को अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। कृषि पर्यवेक्षक ने कृषि यंत्र अनुदान, तारबंदी, पाइपलाइन, गोवर्धन जैविक खाद, फार्म पॉण्ड सहित अन्य योजनाओं के बारे में किसानों को अवगत कराया तथा इनका लाभ उठाने का आह्वान किया।

गोष्ठी में उपस्थित किसानों ने प्राकृतिक खेती से जुड़े विषयों पर चर्चा की और विभागीय अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों के प्रति प्रेरित करना रहा।

जूनियर तैराक विधि सनाढ्य ने रचा इतिहास, 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में बनाया नया राजस्थान रिकॉर्ड

सीनियर राज्य स्तरीय तैराकी

स्मार्ट हलचल | जयपुर/उदयपुर

जयपुर में 1 जून से 3 जून 2026 तक आयोजित सीनियर राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में उदयपुर की उभरती हुई खिलाड़ी विधि सनाठ्य ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना जलवा बिखेरा है। विधि ने प्रतियोगिता के 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक इवेंट में नया राजस्थान रिकॉर्ड (कीर्तिमान) स्थापित कर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

जूनियर होकर सीनियर वर्ग में जीते 5 पदक

तैराकी प्रशिक्षक एवं जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि विधि सनाढ्य अभी जूनियर वर्ग की तैराक हैं, लेकिन उन्होंने सीनियर वर्ग की इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। विधि ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रतियोगिता में कुल 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक अपनेनाम किए।

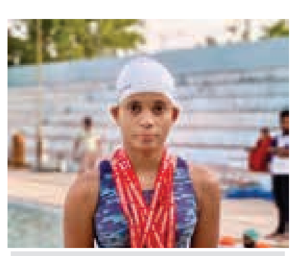

विधि सनाढ्य की उपलब्धियां एक नजर में

स्वर्ण पदक 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक (नया राज्य रिकॉर्ड) और 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक।

रजत पदक 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक, 50 मीटर बटरफ्लाई और 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले (इंडिविजुअल मेडले)।

पंच गौरव योजना के तहत ले रही हैं प्रशिक्षण

डॉ. पालीवाल ने जानकारी दी कि विधि सनाढ्य राजस्थान सरकार की पंच गौरव योजना के अंतर्गत एक जिला एक खेल (ओडीओएस) तैराकी में महाराणा प्रताप खेलगांव, उदयपुर में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से खेलगांव और उदयपुर के खेल प्रेमियों में भारी उत्साह है।

विधि की इस स्वर्णिम सफलता पर राजस्थान तैराकी संघ के सचिव विनोद सनाढ्य और पूर्व जिला खेल अधिकारी विक्रम सिंह चंदेला ने हर्ष व्यक्त किया है। इसके साथ ही जिला तैराकी संघ के चंद्रगुप्त सिंह चैहान व दिलीप सिंह चैहान सहित महाराणा प्रताप खेलगांव के विभिन्न खेल प्रशिक्षकों ने विधि को बधाई दी।

बधाई देने वालों में नरपत सिंह चुंडावत (बॉक्सिंग प्रशिक्षक), रीना पुरोहित (योग प्रशिक्षक), गगन व्यास, मनोज सनाढ्य (तैराकी), जितेंद्र सिंह (स्केटिंग), शालिनी नरूका (बॉक्सिंग), चाहत जैन (जूडो प्रशिक्षक), कनिष्का चैहान (हॉकी प्रशिक्षक), नंदनी गुर्जर (वॉलीबॉल प्रशिक्षक), खेमराज गमेती (लॉन टेनिस प्रशिक्षक), उषा आचरज (बास्केटबॉल प्रशिक्षक), चेतन मेहरा (तीरंदाजी प्रशिक्षक), आकांक्षा कानावत (शूटिंग प्रशिक्षक) और भूपेंद्र सिंह झाला (जिम ट्रेनर) शामिल हैं। सभी ने विधि के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सेवा दिवस के रुप में मनाया डयेरी के पूर्व अध्यक्ष जगपुरा के जन्मदिन

चित्तौड़गढ़। बड़ी सादड़ी विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी एवं निवर्तमान डेयरी चेयरमैन बद्रीलाल जाट (जगपुरा) के जन्मदिवस के अवसर पर कांग्रेस एवं सहयोगी संगठनों द्वारा विधानसभा क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर गोसेवा, जनसेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गोमाताओं की सेवा, जरूरतमंदों की सहायता एवं जन कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाया। कार्यकर्ताओं ने महावीर गोवर्धन गोशाला बारा वरदा में मंडल अध्यक्ष लालचंद गुर्जर एवं पूर्व देवगढ़ मंडल अध्यक्ष बालू मीना के नेतृत्व में गायों को गुड़ खिलाकर गोसेवा की। बड़ी सादड़ी स्थित ओम शांति गोशाला में नगर कांग्रेस अध्यक्ष रणजीत सिंह झाला के नेतृत्व में हरा चारा खिलाकर जन्मदिवस मनाया। इसी क्रम में बड़ी सादड़ी में मानव सेवा के तहत दिनेश सिंह राव एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं जरूरतमंद लोगों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रोजगार विभाग का हरित संकल्प

फलदार, औषधीय, पुष्पीय एवं सिंदूर के पौधों का रोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

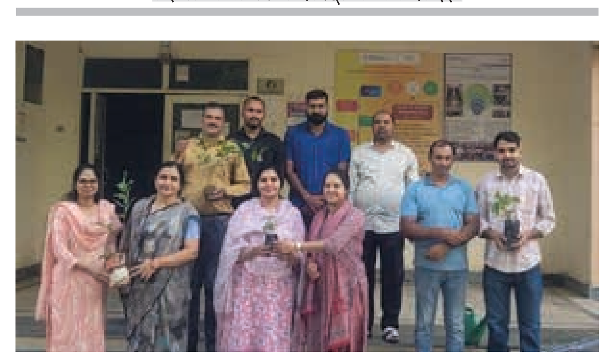

स्मार्ट हलचल | जयपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को झालाना स्थित संभागीय रोजगार कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यालय के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रकार के फलदार, औषधीय एवं पुष्पीय पौधे लगाए तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सिंदूर का पौधा भी रोपित किया गया, जो अपनी विशिष्ट औषधीय एवं सांस्कृतिक महत्ता के लिए जाना जाता है। पौधारोपण अभियान संयुक्त निदेशक श्रीमती नवरेखा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर श्रीमती नवरेखा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जन-जन का सतत अभियान बनाना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्मिकों से लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया।

ब्यावर में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेशः विधायक ने किया पिंक टॉयलेट का लोकार्पण, निकाली भव्य जागरूकता रैली

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' और 'विश्व पर्यावरण दिवस' के मौके पर शुक्रवार को पूरे ब्यावर जिले में पर्यावरण संवर्धन, जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों की धूम रही। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आमजन ने मिलकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया।

अस्पताल में 'पिंक टॉयलेट' की सौगात और स्वच्छता की शपथ

कार्यक्रम की शुरुआत में आमजन और मरीजों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्थानीय विधायक श्री शंकर सिंह रावत ने राजकीय अमृत कौर अस्पताल परिसर में नवनिर्मित 'पिंक टॉयलेट' का लोकार्पण किया। इसके बाद विधायक रावत ने वहाँ मौजूद अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों को जल संचयन और स्वच्छता बनाए रखने की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने अपील की कि वर्षा जल को सहेजने और पानी के स्रोतों को बचाने के लिए हर नागरिक को आगे आना होगा।

आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से राजकीय अमृत कौर अस्पताल से सनातन धर्म कॉलेज तक एक विशाल जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्कूली बच्चों, स्वयंसेवकों और अधिकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर पर्यावरण और जल संरक्षण के नारे लगाए। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया और जिले में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधारोपण भी किया गया।

प्रशासनिक अमला रहा मौजूद

इस व्यापक अभियान में विधायक श्री शंकर सिंह रावत के साथ अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री ब्रह्मलाल जाट, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गोपाल लाल मीणा, उपखण्ड अधिकारी श्री दिव्यांशु सिंह और नगर परिषद आयुक्त श्री श्रवण सिंह सहित जिले के तमाम आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं का संदेशः कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने कहा कि जल और पर्यावरण की सुरक्षा आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जब तक इसमें आम जनता की भागीदारी (जनभागीदारी) नहीं होगी, तब तक इसे जनआंदोलन नहीं बनाया जा सकता। आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए आज ही कदम उठाना जरूरी है।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज़्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com